ट्राई ने रेवाड़ी शहर (हरियाणा) में मोबाइल नेटवर्क की गुणवत्ता का परीक्षण किया

पेज-8

संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

स्थापना वर्ष : 2002

हिन्द जनपथ

पंचकूला

गुरुवार

11 सितंबर, 2025

वर्ष: 24 अंक: 78

कुल पृष्ठ: 08

मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं

दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित।

www.hindjanpath.com

नेपाल: 5 किशोर कैदियों की मौत, 15500 से ज़्यादा कैदी विभिन्न जेलों से फरार

काठमांडू: मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पश्चिमी नेपाल की एक जेल में सुरक्षाकर्मियों के साथ झड़प में कम से कम पाँच किशोर कैदियों की मौत हो गई, जबकि हिंसक सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान देश भर की विभिन्न जेलों से 15,500 से ज़्यादा कैदी फरार हो गए।

नेपाल में हुए बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शनों के कारण मंगलवार को प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली को इस्तीफ़ा देना पड़ा, जिससे कई ज़िलों में कानून-व्यवस्था की गंभीर स्थिति पैदा हो गई, जिसके चलते नेपाल सेना ने बुधवार को देशव्यापी प्रतिबंधात्मक आदेश लागू कर दिए और उसके बाद कर्फ्यू लगा दिया।

कैदियों ने विरोध प्रदर्शनों का फ़ायदा उठाया और जेलों से भागने की कोशिश की, जिसके परिणामस्वरूप मंगलवार से कई जेलों में झड़पें हो रही हैं।

इससे पहले, नेपाल की राजधानी काठमांडू सहित पूरे नेपाल में चल रहे जेन जेड के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों के दौरान लूटपाट, आगजनी और अन्य हिंसक कृत्यों में शामिल 27 लोगों को नेपाली सेना ने गिरफ्तार किया है, द हिमालयन टाइम्स ने बुधवार को बताया। द हिमालयन टाइम्स के अनुसार, गिरफ्तारियां मंगलवार रात 10 बजे से बुधवार सुबह 10 बजे के बीच की गईं, क्योंकि चल रहे विरोध प्रदर्शनों को प्रबंधित करने के लिए देशव्यापी बलों की तैनाती की गई थी। सुरक्षाकर्मियों ने अशांति के दौरान लगी आग को बुझाने के लिए तीन दमकल गाड़ियां भी तैनात कीं।काठमांडू के गौशाला-चबाहिल-बौद्ध कॉरिडोर में, अधिकारियों ने संदिग्धों से चोरी की गई नकदी में 3.37 मिलियन नेपाली रुपये बरामद किए।इसके अलावा, सुरक्षा बलों ने बड़ी संख्या में हथियार जब्त किए, जिनमें विभिन्न प्रकार के 31 आग्नेयास्त्र, मैगज़ीन और गोला-बारूद शामिल हैं, जिनमें से 23 काठमांडू से और आठ पोखरा से जब्त किए गए, जैसा कि द हिमालयन टाइम्स ने बताया।सेना ने यह भी पुष्टि की कि हालिया झड़पों में घायल हुए 23 नेपाल पुलिस अधिकारियों और तीन नागरिकों का सैन्य अस्पतालों में इलाज चल रहा है।इससे पहले, नेपाली सेना ने देश के विभिन्न हिस्सों में जनरल जेड के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शन से बढ़ती अशांति के जवाब में निषेधाज्ञा लागू करने और देशव्यापी कर्फ्यू जारी रखने की घोषणा की थी।जनसंपर्क और सूचना निदेशालय द्वारा बुधवार को जारी एक बयान में, सेना ने कहा कि निषेधाज्ञा आज शाम 5:00 बजे तक प्रभावी रहेगी 26 (11 सितंबर)। सेना ने कहा कि आगे कोई भी निर्णय विकसित हो रहे सुरक्षा हालात के आधार पर लिया जाएगा। सेना ने अपने बयान में, व्यवस्था बनाए रखने में जनता के सहयोग की सराहना की और चल रहे विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुए जान-माल के नुकसान पर संवेदना व्यक्त की। बयान में यह भी चेतावनी दी गई कि 'अराजक व्यक्ति और समूह' आंदोलन में घुसपैठ कर चुके हैं और आगजनी, लूटपाट, हिंसक हमले और यहाँ तक कि बलात्कार के प्रयास जैसी खतरनाक आपराधिक गतिविधियों में लिप्त हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है, 'नेपाल सेना वर्तमान कठिन परिस्थिति में देश में शांति और सुरक्षा बनाए रखने की अपनी ज़िम्मेदारी निभाने में निरंतर सहयोग के लिए सभी नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त करती है। विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुए जान-माल के नुकसान पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए, सभी से आपराधिक गतिविधियों को नियंत्रित करने के प्रयासों में सहयोग करने का अनुरोध किया जाता है।' विज्ञप्ति में कहा गया है, 'चूँकि विभिन्न अराजक व्यक्ति और समूह अभी भी घुसपैठ कर रहे हैं और आंदोलन के नाम पर तोड़फोड़, आगजनी, लूटपाट, व्यक्तियों पर हिंसक हमले और बलात्कार के प्रयास जैसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं, इसलिए देश में समग्र शांति और सुरक्षा स्थिति को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान में लगाया गया कर्फ्यू पूरे देश में शाम 5 बजे (1700) तक जारी रहेगा। इसमें कहा गया है, '25 फरवरी, 2082 को सुबह 6 बजे (0600 बजे) कर्फ्यू लागू रहेगा और उसके बाद कल 26 फरवरी को सुबह 6 बजे (0600 बजे) तक कर्फ्यू जारी रहेगा तथा स्थिति के विश्लेषण के आधार पर आगे की जानकारी दी जाएगी।'

ट्रंप के सकारात्मक रुख पर बोले पीएम मोदी- मैं बातचीत करने के लिए उत्सुक

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन- अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता के ''सफल निष्कर्ष'' पर पहुंचने में ''कोई मुश्किल'' नहीं होगी और वह जल्द ही ''अपने अच्छे दोस्त'' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करेंगे। इस पर पीएम नरेंद्र मोदी ट्रंप द्वारा दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता के सकारात्मक आकलन पर गर्मजोशी से प्रतिक्रिया व्यक्त की और विश्वास जताया कि यह वार्ता दोनों देशों के बीच साझेदारी की असीम संभावनाओं को तलाशने का मार्ग प्रशस्त करेगी। इसे भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने मंगलवार को 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा कि उन्हें यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते में जो बाधाएं हैं, उन्हें दूर करने के लिए बातचीत जारी है।

उन्होंने कहा, ''मैं आने वाले हफ्तों में अपने सबसे अच्छे दोस्त, प्रधानमंत्री मोदी से बात करने के लिए उत्सुक हूं। मुझे भरोसा है कि हमारे दोनों देशों के बीच वार्ता ठीक तरह से पूरी हो जाएगी, कोई मुश्किल नहीं आएगी।''

ट्रंप की यह टिप्पणी द्विपक्षीय संबंधों में एक महत्वपूर्ण सुधार का संकेत देती है। अमेरिका की ओर से शुल्क (टैरिफ) लगाए जाने और भारत के रूस से तेल खरीदने को लेकर दोनों देशों के बीच संबंध दो दशकों में संभवतः सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं। ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क और रूसी तेल की खरीद के लिए अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लगाया है। इससे भारत पर कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया है, जो दुनिया में सबसे अधिक है। भारत ने इन शुल्कों को ''अनुचित और विवेकहीन'' बताया है। रूसी कच्चे तेल की अपनी खरीद का बचाव करते हुए भारत का कहना है कि उसकी ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हित और बाजार की परिस्थितियों से प्रेरित है। कई महीनों तक भारत की आलोचना करने के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले हफ्ते कहा था कि दोनों देशों के बीच 'विशेष संबंध' हैं और चिंता की कोई बात नहीं है।

मोटी-मोटी बातें

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने राष्ट्रीय राजमार्गों को हुए नुकसान पर समीक्षा बैठक की

नई दिल्ली: हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब में बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण राष्ट्रीय राजमार्गों को हुए नुकसान पर केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी ने केंद्रीय राज्यमंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा और अन्य अधिकारियों के साथ आज दिल्ली में समीक्षा बैठक की।

अति वृष्टि और बादल फटने के कारण राजमार्गों को हुए भारी नुकसान पर दीर्घकालिक और अल्पकालिक दोनों समाधान निकालने पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए।

क्षतिग्रस्त और प्रभावित क्षेत्र में तुरंत यातायात शुरु करने के प्रयास पर इस बैठक में चर्चा की गई। साथ ही स्लोप स्थिरीकरण (Slope stabilization) पर स्थायी समाधान के लिए प्रयास करने पर भी चर्चा कर श्री गडकरी जी ने अधिकारियों को निर्देश दिए।

तरनतारन छेड़छाड़ मामले में AAP MLA मनजिंदर सिंह लालपुरा दोषी करार, हिरासत में लिए गए

तरनतारन- तरनतारन अदालत ने खडूर साहिब से आम आदमी पार्टी के विधायक मनजिंदर सिंह लालपुरा को 12 साल पुराने छेड़छाड़ और मारपीट मामले में दोषी करार दिया है। एडिशनल सेशन जज प्रेम कुमार की अदालत ने फैसला सुनाते हुए लालपुरा समेत अन्य आरोपियों को दोषी मानते हुए पुलिस हिरासत में लेने के आदेश दिए। दोषियों की सजा पर फैसला 12 सितंबर को किया जाएगा।

मामला वर्ष 2013 का है, जब पट्टी के गांव उसमां निवासी अनुसूचित जाति परिवार की एक लड़की विवाह समारोह में शामिल होने पहुंची थी। आरोप है कि वहां मौजूद टैक्सी चालकों ने उसके साथ छेड़छाड़ की और विरोध करने पर मारपीट भी की।

पीड़िता के परिवार को भी बीच सड़क पर पीटा गया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामला पूरे देश में सुर्खियों में आया और सुप्रीम कोर्ट ने भी संज्ञान लेकर पीड़िता के परिवार को सुरक्षा देने के आदेश दिए थे।

उसी मामले में मुख्य आरोपी रहे लालपुरा वर्ष 2022 में आम आदमी पार्टी से खडूर साहिब हलके से विधायक चुने गए। अदालत के फैसले के बाद परिसर को पुलिस छावनी में बदल दिया गया। वहीं बचाव पक्ष ने अदालत से कम से कम सजा देने की अपील की है।

PM मोदी ने मेलोनी से फोन पर की बात, ईयू-भारत मुक्त व्यापार समझौते व यूक्रेन संघर्ष पर हुई चर्चा

नई दिल्ली- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को अपनी इतालवी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी के साथ भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा की। साथ ही समर्थन के लिए उनका आभार जताया। मोदी ने मेलोनी के साथ फोन पर बातचीत में यूक्रेन में संघर्ष समाप्त करने के तरीकों के साथ-साथ भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे के क्रियान्वयन पर भी चर्चा की।

मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया कि प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ अच्छी बातचीत हुई। हमने भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने की अपनी संयुक्त प्रतिबद्धता दोहराई और यूक्रेन में संघर्ष को शीघ्र समाप्त करने में साझा रुचि दिखाई। भारत-यूरोपीय संघ के बीच पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते को संपन्न करने और आईएमईईसी पहल के माध्यम से संपर्क को बढ़ावा देने में इटली के सक्रिय समर्थन के लिए प्रधानमंत्री मेलोनी को धन्यवाद दिया।

भारत और यूरोपीय संघ इस वर्ष के अंत तक प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने पर विचार कर रहे हैं। दोनों पक्ष इस सप्ताह नई दिल्ली में 13वें दौर की वार्ता कर रहे हैं। भारत और यूरोपीय संघ ने आठ वर्षों से अधिक के अंतराल के बाद जून 2022 में मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता फिर से शुरू की। आईएमईईसी पहल को 2023 में दिल्ली में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान अंतिम रूप दिया गया था। एक नवोन्मेषी पहल के रूप में प्रस्तुत इस योजना में सऊदी अरब, भारत, अमेरिका और यूरोप के बीच व्यापक सड़क, रेलमार्ग और समुद्री परिवहन नेटवर्क की कल्पना की गई है, जिसका उद्देश्य एशिया, मध्य पूर्व और पश्चिम के बीच बेहतर समेकन सुनिश्चित करना है।

फ्रांस की सड़कों पर जंग का माहौल; प्रदर्शनकारी और पुलिस आमने-सामने, 200 गिरफ्तार

पेरिस- फ्रांस में प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बायरू की सरकार गिरने के एक दिन बाद राजधानी पेरिस और अन्य स्थानों पर प्रदर्शनकारियों ने सड़कें अवरुद्ध कर दीं, आगजनी की और पुलिस ने उन पर आंसू गैस के गोले दागे।

गृह मंत्री ने राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन के शुरुआती घंटों में लगभग 200 लोगों की गिरफ्तारी की घोषणा की। विरोध प्रदर्शन हालांकि ऑनलाइन शुरू हुआ था लेकिन बाद में यह तीव्र होता गया और 80,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती को चुनौती देते हुए प्रदर्शनकारियों ने अवरोधकों को तोड़ दिया।

इसके बाद पुलिस ने तेजी से गिरफ्तारियां कीं।

गृह मंत्री ब्रूनो रिटेलेउ ने कहा कि पश्चिमी शहर रेन्नेस में एक बस में आग लगा दी गई और दक्षिण-पश्चिम में एक बिजली लाइन को नुकसान पहुंचने से रेलगाड़ियां बाधित हुईं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारी "विद्रोह का माहौल" बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मंगलवार देर रात रक्षा मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू को देश का प्रधानमंत्री नियुक्त किया था। लगभग एक साल में देश को चौथी बार नया प्रधानमंत्री मिला है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पिपली अनाज मंडी से पंजाब के लिए राहत सामग्री के 20 ट्रकों को झंडी दिखाकर किया रवाना

प्रदेश सरकार ने बाढ़ से प्रभावित पंजाब, हिमाचल और जम्मू कश्मीर को पहुंचाई 5-5 करोड़ रुपये की सहायता : नायब सिंह सैनी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बाढ़ से प्रभावित पंजाब, हिमाचल और जम्मू कश्मीर को हरियाणा प्रदेश की तरफ से तुरंत 5-5 करोड़ रुपए की सहायता राशि भेजी जा चुकी है। केंद्र सरकार की तरफ से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने गत दिवस पंजाब व हिमाचल के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और दोनों प्रदेशों में हुए नुकसान के लिए 3100 करोड़ रुपए की मदद की भी घोषणा की, जिसमें पंजाब को 1600 करोड़ रुपये और हिमाचल को 1500 करोड़ रुपए शामिल हैं।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी बुधवार को कुरुक्षेत्र के पिपली अनाज मंडी में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने कुरुक्षेत्र जिला से पंजाब के लिए राहत सामग्री के 20 ट्रकों को हरी झंडी दिखा रवाना किया। इन ट्रकों को अलग-अलग जिलों के लिए भेजा गया है। ट्रकों में दाल, चावल, पानी, रस, आचार, मेडिकल किट, मच्छरदानी, तिरपाल, पशुओं के लिए हरा चारा, चौकर सहित अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री शामिल है।

उन्होंने कहा कि पंजाब, हिमाचल, जम्मू कश्मीर के लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। इन बाढ़ प्रभावित इलाकों में हरियाणा के नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं, समितियों के सहयोग से राहत सामग्री भेजी जा रही है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में जो भी क्षेत्र जलभराव से प्रभावित हैं, ऐसे क्षेत्रों के नागरिकों व किसानों को सरकार मुआवजा देने का काम कर रही है। ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खोला हुआ है, प्रभावित नागरिक इस पोर्टल पर अपना आवेदन करें। उन्होंने बताया कि अब तक जलभराव से प्रभावित

5786 गांवों के 3 लाख 24 हजार 583 किसानों ने 19 लाख 22 हजार 617 एकड़ के खराबे का पंजीकरण करवाया है। उन्होंने कहा कि बाढ़ के कारण मृत्यु होने पर उस परिवार को तुरंत 4 लाख रुपए की राशि सहायता के तौर पर दी जा रही है। इसके अलावा किसी भी प्रकार की हानि होने पर मुआवजा निर्धारित किया गया है। पिछले साढ़े 10 सालों में किसानों को फसलों के खराबे का 15500 करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जा चुका है। उन्होंने प्रदेश सरकार के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों से आग्रह किया है कि वे बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए अपनी इच्छा अनुसार हरियाणा मुख्यमंत्री राहत कोष में मदद करें।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने देश के नव निर्वाचित उप-राष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन को बधाई और शुभकामनाएं दी।

विपदा या आपदा में राहुल गांधी चले जाते हैं विदेश

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने एक सवाल के जवाब में कहा कि इतिहास गवाह है जब भी देश में कोई विपदा या आपदा आई है तब राहुल गांधी विदेश दौरे पर चले जाते हैं। इस समय भी ऐसी ही स्थिति है। देश के पंजाब, हिमाचल और जम्मू कश्मीर में बाढ़ आई हुई है और राहुल गांधी विदेश में बैठे हैं, उन्होंने कहा कि मेरा भी विदेश का दौरा था, लेकिन इस स्थिति को देखते हुए विदेश के दौरे को रद्द कर दिया। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने एक सवाल के जवाब में कहा आज पंजाब के मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि पंजाब में पैसे की कमी नहीं है, हमें किसी से पैसे मांगने की जरूरत नहीं। पंजाब हरियाणा का पड़ोसी राज्य है, हमारा दायित्व और कर्तव्य बनता है कि इस विपदा के समय में हम पंजाब के लोगों की मदद करें। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले साढ़े 10 वर्षों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 7 लाख 47 हजार परिवारों को मकान बनाने के लिए 2,314 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की गई। इसी तरह डॉ. भीमराव अंबेडकर नवीनीकरण योजना के तहत मकान की मरम्मत के लिए 76,985 परिवारों की कच्ची छत को पक्का करने के लिए 416 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की गई।

मेगा परियोजनाओं को तय समयावधि में पूरा करें अधिकारी, प्रशासनिक सचिव स्वयं करें निगरानी – मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली परियोजनाओं की समीक्षा की

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश में चल रही मेगा परियोजनाओं को तय समयावधि में पूरा करें और संबंधित प्रशासनिक सचिव स्वयं निगरानी करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार से समझौता नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री आज यहां प्रदेश में चल रही 100 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान और सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा की गई।

बैठक में जानकारी दी गई कि सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग द्वारा जल संरक्षण को बढ़ावा देने, पानी की समुचित आपूर्ति और सिंचाई दक्षता में सुधार करने हेतु मेगा परियोजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। दादूपुर से हमीदा हेड तक नई समानांतर लाइन चैनल (पीएलसी) और डब्ल्यूजेसी का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। इस परियोजना का लक्ष्य गैर-मानसून अवधि के दौरान हथिनीकुंड बैराज से होने वाले रिसाव के नुकसान को कम करना है। अब तक लगभग 80 प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो चुका है। साथ ही, डब्ल्यूजेसी ब्रांच (75.25 किमी) तक ऑग्मेंटेशन नहर का पुनर्निर्माण 383 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने इन परियोजना को निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश दिए।

इसी प्रकार, पीडी ब्रांच (मुनक से खुबडु हेड) की लाइनिंग और रीमॉडलिंग का कार्य भी लगभग 256 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। इसके अलावा, गुरूग्राम वाटर सप्लाई परियोजना का भी जल्द शिलान्यास किया जाएगा। इसके तहत चैनल की क्षमता बढ़ाई जाएगी।

वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में ट्रीट किए जाने वाले पानी की गुणवत्ता में किया जाए सुधार

मुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में ट्रीट किए जाने वाले पानी की गुणवत्ता में सुधार किया जाए, ताकि लोगों को पानी का उपयोग करने में किसी प्रकार की दिक्कत न आए। साथ ही, औद्योगिक इकाइयों के साथ समन्वय स्थापित कर ट्रीटेड पानी के उपयोग को बढ़ाने पर जोर दिया जाए, जिससे ताजे पानी की बचत हो सके। इसके अलावा, ट्रीटेड पानी का सिंचाई के लिए भी निरंतर उपयोग किया जाए। चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग के तहत क्रियान्वित की जा रही परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि भगवान परशुराम राजकीय मेडिकल कॉलेज, कैथल का कार्य तेज गति से किया जा रहा है। अब तक 65 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। इसके अलावा, गुरु तेग बहादुर मेडिकल कॉलेज, पंजुपुर, यमुनानगर की भी प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि बिना देरी जल्द से जल्द इन परियोजनाओं को पूरा किया जाए।

बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुधीर राजपाल, वित्तायुक्त, राजस्व डॉ सुमिता मिश्रा, नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री ए.के. सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अनुराग अग्रवाल, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री मोहम्मद शाइन, विशेष सचिव, निगरानी एवं समन्वय डॉ प्रियंका सोनी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

संजय कपूर की वसीयत पर विवाद, कोर्ट ने मांगा संपत्तियों का विस्तृत विवरण

नई दिल्ली। दिवंगत बिजनेसमैन संजय कपूर की संपत्ति को लेकर चल रहे विवाद में नया मोड़ आ गया है। बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर के बच्चों समायरा और कियान कपूर ने अपनी सौतेली मां प्रिया सचदेव कपूर पर आरोप लगाते हुए दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया था और प्रॉपर्टी में हिस्सा मांगा था। वहीं, अब संजय की मां रीना कपूर ने अपने दिवंगत बेटे की वसीयत में हिस्सा मांगा है।

उनके वकील वैभव गग्गर ने कहा कि संजय की वसीयत से संबंधित किसी भी दस्तावेज की जानकारी उनकी मां को नहीं दी गई है।

इस मामले को लेकर वकील वैभव गग्गर ने मीडिया को जानकारी देते हुए कहा, ''आज के मामले में, संजय कपूर की पूर्व पत्नी करिश्मा कपूर ने अपने बच्चों की ओर से दावा किया है कि उन्हें एक वसीयत दिखाई गई है, जिसके आधार पर उनके बच्चों को संजय कपूर की निजी संपत्ति से बाहर कर दिया गया है। उन्होंने इस वसीयत को फर्जी बताया है।''

उन्होंने आगे कहा कि इस मामले में 'इंटेस्टेट सक्सेशन' यानी बिना वसीयत के उत्तराधिकार लागू हो, जिसके अनुसार संजय कपूर की संपत्ति पांच हिस्सों में बांटी जाए, करिश्मा के दो बच्चे, संजय की पत्नी प्रिया, उनका बेटा और संजय कपूर की मां रानी कपूर के बीच संपत्ति का विभाजन हो।

बता दें कि प्रिया सचदेव कपूर का दावा है कि संजय कपूर ने 21 मार्च को एक वैध वसीयत बनाई थी, जिसके अनुसार संपूर्ण संपत्ति उन्हें सौंपी गई है। इस वसीयत को लेकर विवाद और गहरा हो गया है क्योंकि करिश्मा कपूर के बच्चों ने आरोप लगाया है कि यह वसीयत सात हफ्ते तक छुपाई गई और फिर अचानक एक पारिवारिक बैठक में पेश की गई, जिससे संदेह की स्थिति पैदा हुई।

वकील गग्गर ने कहा, ''मैं इस वक्त मामले की मेरिट्स पर ज्यादा नहीं बोलूंगा, क्योंकि यह मामला अदालत के विचाराधीन है, लेकिन जो केस दायर किया गया है, उसकी यही मूल भावना है।''

जवाहर नवोदय विद्यालय में 23 सितम्बर तक करें पंजीकरण

धर्मशाला । पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य राजेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 2026 में ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया चल रही है जिसकी अंतिम तिथि 23 सितम्बर, 2025 निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि पंजीकरण की अंतिम तिथि अत्यंत निकट है तथा अधिक से अधिक पात्र विद्यार्थी जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा नौवीं और ग्यारहवीं कक्षा में प्रवेश हेतु अपना पंजीकरण करवा लें। उन्होंने बताया कि विद्यार्थी नवोदय विद्यालय की वेबसाईट https://navodaya.gov.in पर या नौवीं कक्षा में प्रवेश के लिए https://cbseitms.nic.in/w®wz/nvsi&_~ और ग्यारहवीं कक्षा में प्रवेश के लिए https://cbseitms.nic.in/w®wz/nvsi_vv पर ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री राहत कोष में असम सरकार ने पांच करोड़ रुपये का अंशदान किया

शिमला । हिमाचल प्रदेश में इस मानसून के दौरान हुई भारी बारिश से हुए नुकसान को देखते हुए असम सरकार की ओर से विद्युत, कौशल, रोजगार और उद्यमिता मंत्री प्रशांत फुकन ने आज नई दिल्ली में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू को मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए 5 करोड़ रुपये का चेक भेंट किया। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड की ओर से सीनियर मैनेजर लिगल एंड कॉरपोरेट अफेयर्स श्री राहुल बग्गा ने मुख्यमंत्री को 50 लाख रुपये का चेक भेंट किया। हिमाचल प्रदेश राज्य परिवहन के निदेशक बलदेव ठाकुर ने भी मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए एक लाख रुपये का चेक मुख्यमंत्री को भेंट किया। मुख्यमंत्री ने अंशदान के लिए सभी दानकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संकट के इस समय में मुख्यमंत्री राहत कोष में विभिन्न राज्यों की सरकारें, संगठन और दानी सज्जन उदारतापूर्ण दान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस योगदान से आपदा प्रभावित परिवारों को राहत प्रदान करने और उनके पुनर्वास में मदद मिलेगी।

गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल सोलन ने आपदा राहत कोष में भेंट किया 1.71 लाख रुपए का चैक

सोलन। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल को गुरुकुल इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सोलन की ओर आज यहां आपदा राहत कोष में 1.71 लाख रुपए का चैक भेंट किया गया। इस राशि में स्कूल के बच्चों ने भी अपना सहयोग दिया है। डॉ. शांडिल ने गुरुकुल इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल का आपदा राहत कोष में योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने बच्चों द्वारा सहयोग देने पर विशेष रूप से उनका भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने आशा जताई कि स्कूल का यह प्रयास अन्य को भी इस दिशा में प्रेरित करेगा। इस अवसर पर नगर निगम सोलन की महापौर ऊषा शर्मा, उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा व गुरुकुल इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सोलन की प्रधानाचार्य डॉ. लखविंदर कौर अरोड़ा, अध्यापक व विद्यार्थी उपस्थित थे।

11 सितम्बर को विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी

सोलन । हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड सोलन द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार आवश्यक रखरखाव के दृष्टिगत 11 सितम्बर, 2025 को विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। यह जानकारी अतिरिक्त अधीक्षण अभियंता सोलन राहुल वर्मा ने दी। राहुल वर्मा ने कहा कि 11 सितम्बर, 2025 को प्रातः 10.00 बजे से सांय 04.00 बजे कालाघाट, कोटला पंजोला, दौलांजी, मंझोली, क्यार, सन्होल, नंदल, नौणी बाज़ार, धारों की धार, धर्जा, अम्बड़ कोठी, बदलेच, नौणी विश्वविद्यालय, जोहड़ी, थुरन, ओच्छघाट, जीरो प्वांट, जटोली, कोठों एवं आस-पास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने कहा कि मौसम खराब व किन्हीं अपरिहार्य कारणों से उपरोक्त तिथि व समय में परिवर्तन किया जा सकता है। उन्होंने प्रभावितों क्षेत्रों के उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है।

कल्याणकारी योजनाएं समाज को सशक्त बनाने का माध्यम : डॉ. शांडिल

दून, अर्की और कसौली के विधायक ने दिए बहुमूल्य सुझाव

सोलन। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने कहा कि कल्याणकारी योजनाएं समाज को सशक्त बनाने का माध्यम है। डॉ. शांडिल आज यहां ज़िला कल्याण समिति, सोलन की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार यह सुनिश्चित बना रही है कि कल्याणकारी योजनाओं के लाभ लक्षित वर्गों तक समय पर पहुंचे। इस दिशा में सभी विभागों का समन्वयक व सहयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ज़िला प्रशासन एवं अन्य विभागों के तालमेल से योजनाओं को सफल बनाने के लिए कार्य कर रही है। अधिकारी और कर्मचारी प्रदेश सरकार के बहुमूल्य सहयोगी है और इनके सहयोग से राज्य सरकार जन-जन के कल्याण में सफल हो रही है।सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने कहा कि ज़िला सोलन में इस वित्त वर्ष में विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन तथा अन्य कल्याण योजनाओं पर 94 करोड़ रुपए व्यय किए जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन के तहत ज़िला में वित्त वर्ष 2025-26 की प्रथम तिमाही में 52,479 पेंशनरों पर लगभग 22.88 करोड़ रुपए व्यय कर पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत ज़िला सोलन में 33,323 वृद्धावस्था पेंशन, 7,384 विधवा पेंशन, 4,902 अपंग राहत भत्ता, 37 कुष्ठ रोगी पुनर्वास भत्ता, 5686 इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन, 2,019 इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन, 127 इंदिरा गांधी राष्ट्रीय अंपगता पेंशन तथा एक ट्रांसजेंडर पेंशनर है।

डॉ. शांडिल ने कहा कि स्वर्ण जयंती आश्रय योजना के तहत वित्त वर्ष 2025-26 में 29 लाभार्थियों पर 43.50 लाख रुपए व्यय किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ज़िला में इस वर्ष अन्तर्जातीय विवाह पुरस्कार योजना के अंतर्गत 15.50 लाख रुपए व्यय किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि 57 दिव्यांग छात्रों की छात्रवृत्ति पर 5,78,500 रुपए व्यय किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अंतर्गत 44 पीड़ितों को लगभग 26.92 लाख रुपए प्रदान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय परिवार सहायता कार्यक्रम के अंतर्गत 20 परिवारों को 8.20 लाख रुपए की अनुदान राशि दी गई है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने कहा कि सोलन ज़िला में इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 18160 महिलाओं को प्रति माह 1500 रुपए की राशि की दर से पेंशन प्रदान की जा रही है।

डॉ. शांडिल ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा लोगों के कल्याणार्थ विभिन्न योजनाएं क्रियान्वित की गई है। मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना ऐसी ही एक योजना है। इस योजना के तहत अनाथ बच्चों के लिए समग्र वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जा रही है, जिसमें भारत भ्रमण, शैक्षिक यात्राएं, जेब खर्च के रूप में प्रति माह 4,000 रुपए, 14 वर्ष तक के बच्चों को 1,000 रुपए मासिक सहायता, 15 से 18 वर्ष के बच्चों और एकल महिलाओं को 2,500 रुपए प्रतिमाह सहायता, स्टार्टअप के लिए 02 लाख रुपए की आर्थिक मदद, आवास के लिए 03 बीघा भूमि सहित 03 लाख रुपए की निर्माण सहायता राशि शामिल है। दून के विधायक राम कुमार चौधरी ने बैठक में स्वर्ण जयंती आश्रय योजना के तहत आवास बनाने के लिए आबंटित किश्त राशि के प्रतिशत व योजना के तहत प्रदान की जाने वाली राशि को बढ़ाने का सुझाव दिया।

अर्की के विधायक संजय अवस्थी ने सम्बन्धित अधिकारियों को दिव्यांग छात्रों को दी जानी वाली छात्रवृत्ति का विद्यालय, महाविद्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, मेडिकल महाविद्यालय सहित अन्य शैक्षणिक संस्थानों में प्रचार-प्रसार करने के तथा समय-समय पर शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए ताकि पात्र छात्रों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके। कसौली के विधायक विनोद सुल्तानपुरी ने बैठक में अपने बहुमूल्य सुझाव दिए।

उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने विश्वास दिलाया कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार ज़िला में विभिन्न योजनाओं का कार्य समय पर पूरा किया जा रहा है। उन्होंने समाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री के मार्गदर्शन एवं सभी विधायकों के बहुमूल्य सुझाव के लिए आभार व्यक्त किया। ज़िला कल्याण अधिकारी ने बैठक की कार्यवाही का संचालन किया। इस अवसर पर नगर निगम सोलन की महापौर ऊषा शर्मा, उपमण्डलाधिकारी सोलन डॉ. पूनम बंसल, उपमण्डलाधिकारी नालागढ़ व बद्दी राजकुमार, उपमण्डलाधिकारी कसौली महेन्द्र प्रताप सिंह, उपमण्डलाधिकारी कण्डाघाट गोपाल शर्मा, उप पुलिस अधीक्षक सोलन अनिल धोल्टा, ज़िला चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमित रंजन तलवार, ज़िला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पदम देव शर्मा सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

एचपीटीडीसी के होटल अब मेक माई ट्रिप पोर्टल पर दिखेंगे: बाली

निगम के 56 होटल जुड़ेंगे, धर्मशाला में पर्यटन निगम ने किया एग्रीमेंट

धर्मशाला । हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम ने पर्यटन क्षेत्र में आधुनिक तकनीक और ऑनलाइन प्लेटफार्म का लाभ उठाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। निगम ने देश की अग्रणी ट्रैवल कंपनी मेक माय ट्रिप के साथ करार किया है। इस करार के बाद निगम के 56 होटल अब मेक माय ट्रिप प्लेटफार्म पर ऑनलाइन बुकिंग के लिए उपलब्ध होंगे।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष आर.एस. बाली ने कहा कि हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के पास राज्य के विभिन्न हिस्सों में बेहतरीन होटल मौजूद हैं, जिनमें देश-विदेश से आने वाले पर्यटक ठहरना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा अत्यंत आवश्यक है। मेक माय ट्रिप के साथ जुड़ने से निगम के होटलों को बड़ा बाजार मिलेगा और पर्यटक अपने घर बैठे इन होटलों की बुकिंग कर पाएंगे।

बाली ने बताया कि वर्ष 2023 में जब उन्हें निगम का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था, उस समय निगम घाटे में चल रहा था। निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों ने लगातार मेहनत कर निगम की वित्तीय स्थिति में सुधार लाने का कार्य किया और उसके परिणामस्वरूप पिछले वर्ष निगम ने 107 करोड़ रुपये की आय अर्जित की। उन्होंने कहा कि मेक माय ट्रिप के साथ किया गया यह समझौता निगम के लिए एक ऐतिहासिक और मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि इस करार से पर्यटन निगम को न केवल नई ऊँचाइयाँ मिलेंगी, बल्कि हिमाचल प्रदेश आने वाले पर्यटकों को भी गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी सेवाएँ ऑनलाइन माध्यम से उपलब्ध हो सकेंगी। इससे प्रदेश में पर्यटन को भी नया आयाम मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग से संबंधित एक महत्वपूर्ण निर्णय के तहत हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम (एचपीटीडीसी) के मुख्यालय को शिमला से धर्मशाला स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि इस बाबत निर्णय बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक में लिया गया था। इसके उपरांत माननीय मुख्यमंत्री श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में इस निर्णय को अनुमोदन प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि धर्मशाला को प्रदेश के पर्यटन मानचित्र पर और अधिक सशक्त ढंग से स्थापित करने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है। साथ ही शिमला में भीड़भाड़ और प्रशासनिक दृष्टि से बेहतर प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए मुख्यालय का स्थानांतरण आवश्यक था।इस अवसर पर मेक माय ट्रिप के जोनल प्रभारी आशीष पारेख, पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक राजीव कुमार तथा महाप्रबंधक अनिल तनेजा भी मौजूद रहे।

प्रदेश में 98 प्रतिशत जलापूर्ति योजनाएं बहाल: उप-मुख्यमंत्री

योजनओं की बहाली से लोगों को पेयजल आपूर्ति हो रही सुनिश्चित

शिमला । उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि प्रदेश में हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण प्रभावित लोगों को त्वरित राहत प्रदान करने के लिए प्रदेश की 12007 जलापूर्ति योजनाओं को अस्थायी रूप से बहाल कर दिया गया है। यह कुल प्रभावित जलापूर्ति योजनाओं का लगभग 98 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि विषम परिस्थितियों के बावजूद जल शक्ति विभाग ने तत्परता और समर्पण भाव से कार्य करते हुए इन परियोजनाओं को बहाल किया है। उप-मुख्यमंत्री ने विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों में विभाग द्वारा किया गया यह कार्य सराहनीय और प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि जल शक्ति विभाग के कर्मचारी दिन-रात फील्ड में रहकर प्रभावित क्षेत्रों में आमजन को राहत पहुंचा रहे हैं और मूलभूत सुविधाओं की बहाली में जुटे हुए हैं। भारी बारिश के कारण प्रदेश में कुल 12281 जलापूर्ति योजनाएं प्रभावित हुई हैं, परंतु लोगों की सुविधा के लिए विभाग ने अविलंब इनमें से 12007 योजनाओं को क्रियाशील किया है। प्रदेश में जलापूर्ति योजनाओं को लगभग 925.85 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।उन्होंने कहा कि इसके साथ ही 244.19 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत की 2624 सिंचाई योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं। राज्य में स्थापित 115 बाढ़ सुरक्षा कार्यो को 55.81 करोड़ रुपये, 183 सीवरेज योजनाओं का 64.33 करोड़ रुपये तथा 391 हैंडपंपों को 1.20 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। प्रदेश में 15594 योजनाएं प्रभावित हुई हैं। इन योजनाओं को कुल 1291.37 करोड़ रुपये की अनुमानित क्षति आंकी गई है।उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि जलापूर्ति और सीवरेज योजनाओं की बहाली सरकार की प्राथमिकता शामिल है। उन्होंने कहा कि विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि बहाली के कार्यों में किसी प्रकार की कोताही न बरती जाए। सरकार जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है और सभी प्रभावित योजनाओं को शीघ्र स्थायी रूप से बहाल किया जाएगा।

मशरूम उत्पादन को लेकर किसानों को किया जागरूक

धर्मशाला। मशरूम विकास परियोजना पालमपुर में मशरूम दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रम में किसानों को मशरूम उत्पादन को लेकर जागरूक किया गया इसके साथ ही आय के साथ-साथ रोजगार सृजन तथा उपभोक्ताओं को पोषक तत्वों और औषधीय गुणों के बारे में भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बागबानी विभाग के संयुक्त निदेशक कमलशील नेगी ने किसानों को बागवानी विभाग की ओर से चलाई जा रही योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। नेगी ने कहा कि किसान, मशरूम की खेती से अपनी आय में वृद्धि कर सकते है और एक पौष्टिक आहार भी अपने परिवार को उपलब्ध करवा सकते हैं। खुंब दिवस में बागवानी विभाग की ओर से मशरूम की खाने वाली विभिन्न प्रजातियों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इस अवसर पर 100 से अधिक किसानों बागवानी और मशरूम उत्पादकों ने भाग लिया।

इस अवसर पर उप निदेशक बागवानी कांगड़ा डॉक्टर अलक्ष पठानिया ने किसानो को सम्बोधित करते हुए कहा कि मशरूम उत्पादन आय का स्रोत हो सकता है. उन्होंने किसानों को शिटाके, बटन मशरूम और ढींगरी मशरूम जैसे आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण मशरूम उगाने का भी सुझाव दिया।इस अवसर पर विषय वाद विशेषज्ञ जायका प्रोजेक्ट डॉ सपन ठाकुर ने किसानों को शिताके मशरूम के बारे में किसानों को उसकी उपयोगिता एवम गुणवक्ता के बारे में बताया। इससे पहले विषयवाद विशेषज्ञ डॉ. हितेंद्र पटियाल ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा की विभाग की ओर से इस प्रशिक्षण शिवर में किसानों को मशरूम की खेती, उसकी बीमारियों, मार्केटिंग और बैंक के माध्यम से सहायता प्राप्त करने की जानकारी दी गई।

मशरूम उत्पादक डॉ. सुनील कुमार और किसान विनोद ने भी किसानों से अपने अनुभव सांझे किए और इसे स्वरोजगार के रूप में अपनाने को कहा। इस अवसर पर हंस फाउंडेशन के परियोजना प्रबंधक ओम राज शर्मा ने किसानों का धन्यवाद किया है और कहा है कि मशरूम से लोगों को आय का स्रोत बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ डॉक्टर उमंग भारद्वाज, उद्यान विकास अधिकारी डॉ. राजेश पटियाल और डॉ हितेश ठाकुर, सहायक उद्यान विकास अधिकारी संजय मेहता उद्यान प्रसार अधिकारी किरण कुमारी, हंस फाउंडेशन के डॉ. अरुण और डॉ. चेतना प्रगतिशील मशरूम उत्पादक विनोद ने भी किसानों को संबोधित किया।

रजत जयंती समारोह: सकोह में पुलिस कर्मियों ने किया रक्तदान

धर्मशाला। द्वितीय भारत आरक्षित वाहिनी, सकोह ने अपने रजत जयंती समारोह के उपलक्ष्य में बहु-विशेषज्ञता चिकित्सा एवं रक्तदान शिविरका सफल आयोजन किया। इस शिविर का आयोजनमुख्य चिकित्सा अधिकारी कांगड़ा, बीएमओ शाहपुर, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज टांडा एवं फोर्टिस हॉस्पिटल कांगड़ाके सहयोग से किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. अनुराधा शर्मा (मुख्य चिकित्सा अधिकारी कांगड़ा एवं एमएस, जोनल अस्पताल धर्मशाला)तथाविशिष्ट अतिथि डॉ. (मेजर) अवनिंदर कुमार (अतिरिक्त निदेशक, डॉ. आरपीजीएमसी टांडा) ने किया।

इस अवसर पर डॉ. कविता ठाकुर (बीएमओ शाहपुर), डॉ. आर.के. सूद (एमओएच कांगड़ा), फोर्टिस कांगड़ा के विशेषज्ञ चिकित्सक तथा पुलिस अधिकारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षताडॉ. खुशाल शर्मा, कमांडेंट द्वितीय भारत आरक्षित वाहिनीने की। उनके साथउप कमांडेंट श्री आशीष शर्मा तथा सहायक कमांडेंटगण दू श्री तजेंदर वर्मा, श्री रोहित मृगपुरी और श्री मनोज कुमारभी मौजूद रहे।

इस अवसर परडॉ. अभिनव अवस्थी, चिकित्सा अधिकारी द्वितीय भारत आरक्षित वाहिनीने शिविर का संचालन किया और बताया कि इस पहल का उद्देश्य पुलिस जवानों एवं स्थानीय समुदाय को संपूर्ण स्वास्थ्य जांच सुविधाएं प्रदान करना, निवारक स्वास्थ्य देखभाल के प्रति जागरूकता फैलाना तथा स्वैच्छिक रक्तदान को प्रोत्साहित करना है।शिविर मेंजनरल मेडिसिन, अस्थि रोग, कान-नाक-गला, प्रसूति एवं स्त्री रोग, तथा फिजियोथेरेपीविभागों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने निःशुल्क परामर्श एवं निदान सेवाएं दीं। इस अवसर पर250 से अधिक लोगोंने स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाया। साथ ही, रक्तदान शिविरका आयोजनडॉ. राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज टांडाकी टीम नेडॉ. अंजलि चव्हाण (विभागाध्यक्ष, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन)के नेतृत्व में किया, जिसमें कुल 36 यूनिट रक्तएकत्र किया गया। यह रक्त आसपास के अस्पतालों में आपातकालीन आवश्यकताओं को पूरा करने और जीवन बचाने में सहायक होगा।

मुख्य अतिथिडॉ. अनुराधा शर्माने अपने संबोधन में पुलिस कर्मियों के कठिन परिस्थितियों में निरंतर कार्यरत रहने के दृष्टिगत इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों की आवश्यकता एवं महत्त्व पर बल दिया। वहीं, कमांडेंट डॉ. खुशाल शर्माने चिकित्सा दलों, सहयोगी संस्थानों और रक्तदाताओं के प्रयासों की सराहना की तथा इस नेक कार्य के लिए सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। शिविर मेंपुलिस कर्मियों, प्रशासनिक कर्मचारियों एवं परिवारजनोंने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रतिभागियों के लिए जागरूकता सामग्री एवं अल्पाहार की व्यवस्था की गई।द्वितीय भारत आरक्षित वाहिनी ने इस शिविर को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी चिकित्सकों, स्वयंसेवकों एवं रक्तदाताओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य एवं कल्याण शिविरों के आयोजन का संकल्प लिया।

आपातकाल स्थिति में लाभार्थियों को समयबद्ध राशन उपलब्ध करवाया: डॉ. एस.पी. कत्याल

शिमला। राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष डॉ. एस.पी. कत्याल ने मंगलवार को शिमला में राष्ट्रीय खाद्य अधिनियम 2013 और हिमाचल प्रदेश खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2019 के तहत लाभार्थियों के अधिकारों की प्रभावी समीक्षा और निगरानी के लिए आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली, प्रधानमंत्री पोषण, एकीकृत बाल विकास योजना प्रधानमंत्री मातृत्व वन्दना योजना पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

अध्यक्ष ने प्रदेश में हाल ही में आई आपदा के दृष्टिगत आपात स्थितियों के दौरान अधिकारियों को निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस स्थिति में सभी विभागों को समन्वय स्थापित कर लाभार्थियों को समयबद्ध राशन की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए ताकि किसी भी लाभार्थी को परेशानी का सामना न करना पड़े।डॉ. एस.पी. कत्याल ने आयोग की शिकायत निवारण प्रणाली को अधिक सुदृढ़ और पारदर्शी बनाने के निर्देश दिए ताकि लोगों को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों को उनके अधिकारों के लिए जागरूक करने के लिए संबंधित विभागों को उचित मूल्यों की दुकानों तथा विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में सूचना बोर्ड/होर्डिंग लगवाने के निर्देश जारी किए गए हैं। इससे लोगों को आयोग से सम्पर्क करने में सहायता मिलेगी।

बैठक के दौरान विभागीय प्रतिनिधियों ने आयोग को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की वर्तमान स्थिति, चुनौतियों और उपलब्धियों की जानकारी दी।बैठक में आयोग के सदस्य हेमिस नेगी, हितेश आजाद एवं सदस्य सचिव योगेश चौहान, विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारी और प्रतिनिधि उपस्थित थे।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25 , स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। सम्पादक:- एकान्ति रॉय गर्ग, मुख्य कार्यालय: बूथ नं: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

पंजाब सरकार का किसानों के हक में ऐतिहासिक फैसला: चेयरमैन

हिन्द जनपथ
जालंधर(ब्यूरो)। जिला योजना समिति के चेयरमैन अमृतपाल सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के कुशल नेतृत्व में पंजाब सरकार ने बाढ़ प्रभावित किसानों को बड़ी राहत देने का फैसला लिया है। पहली बार खराब हुई फसल के लिए किसानों को 20,000 रुपये प्रति एकड़ मुआवजा दिया जा रहा है। इसके साथ ही घरों और पशुओं के नुक्सान के मुआवजे को सुनिश्चित करने के लिए सर्वे शुरू कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि सरकार की किसान-हितैषी नीति "जिसका खेत, उसकी रेत" के तहत अब किसान अपने खेतों में बाढ़ के साथ आई रेत का अपनी मर्जी से उपयोग कर सकेंगे या इसे बेचकर अतिरिक्त आय प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि इससे पहले किसी भी सरकार ने किसानों को इतनी बड़ी राहत नहीं दी। उन्होंने आगे कहा कि घरों और पशुओं के नुक्सान की भरपाई के लिए शुरू किए गए सर्वे के माध्यम से प्रभावित परिवारों को जल्द ही मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान का यह कदम न केवल वर्तमान संकट में किसानों को सहारा देगा, बल्कि भविष्य में भी उनके आत्म-विश्वास और मेहनत को मजबूत करेगा।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने सुनीं जन समस्याएं

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने आज चंडीगढ़ स्थित अपने सरकारी आवास पर जन-सुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न जिलों से आए नागरिकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना तथा संबंधित अधिकारियों को इन समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए।

भिवानी से आए प्रतिनिधिमंडल ने पंडित नेकीराम शर्मा मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की 100 नई सीटों को स्वीकृति प्रदान करने एवं इसी शैक्षणिक सत्र से प्रवेश प्रक्रिया आरंभ करवाने के निर्णय हेतु स्वास्थ्य मंत्री का आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधियों ने कहा कि यह कदम प्रदेश के मेडिकल शिक्षा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और इससे स्थानीय विद्यार्थियों को विशेष लाभ मिलेगा।

इसके अलावा विभिन्न गांवों से आए प्रतिनिधियों ने भी अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित विकास कार्यों की मांगें स्वास्थ्य मंत्री के समक्ष रखीं। इनमें जोहड़, पंचायत भवन एवं धर्मशालाओं का निर्माण अथवा मरम्मत, खेल स्टेडियम की चारदीवारी निर्माण तथा खिलाड़ियों के लिए खेल सामग्री उपलब्ध करवाने जैसे विषय प्रमुख रहे।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने ग्रामीण प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि सरकार उनकी सभी मांगों पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य प्रदेशवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और ग्रामीण अंचलों में विकास की गति को और अधिक तीव्र करना है।

राष्ट्रीय परशुराम परिषद, चण्डीगढ़ ने पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री भेजी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राष्ट्रीय परशुराम परिषद, चण्डीगढ़ ने पंजाब में बाढ़ के कारण उत्पन्न हुए गंभीर हालातों के मद्देनज़र मानवीय पहल करते हुए बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए दवाइयों और खाद्य सामग्री से भरी राहत सामग्री रवाना की। संस्था के अध्यक्षएवं समाजसेवी राजीव अग्निहोत्री ने बताया कि पंजाब के कई क्षेत्रों, विशेषकर अजनाला और गुरदासपुर में लोग बाढ़ की मार से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि लोगों का भारी नुकसान हुआ है, खाने-पीने तक के साधन समाप्त हो गए हैं। ऐसे समय में उनकी कोशिश है कि अधिक से अधिक मदद इन जरूरतमंदों तक पहुंचे। उन्होंने बताया कि यह राहत सामग्री फार्मा कंपनी नेटकेम फार्मा और मेड कोलैब के सहयोग से तैयार की गई है। राजीव अग्निहोत्री ने कहा कि यदि भविष्य में और अधिक आवश्यकता पड़ी, तो वे हर संभव सहयोग करेंगे

किशोरियों के स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता विषय पर व्याख्यान का आयोजन

चण्डीगढ़ : पीजीजीसी-46 में महिलाओं और किशोरियों के स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता विषय पर एक जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें प्राचार्या प्रो. बीनू डोगरा ने किशोरियों और महिलाओं में एनीमिया पर विशेष ध्यान देते हुए सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं की रोकथाम पर ज़ोर दिया। डॉ. अमनप्रीत कौर ने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के महत्व पर ज़ोर दिया और छात्राओं को उनकी स्वास्थ्य समस्याओं और उनके समाधानों के प्रति जागरूक किया। व्याख्यान एनीमिया के सामान्य कारणों और उसकी रोकथाम पर केंद्रित था। व्याख्यान का समापन एक अत्यंत बुद्धिमान विचार के साथ हुआ कि एक स्वस्थ लड़की एक सशक्त महिला बनती है, और एक सशक्त महिला एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण करती है। व्याख्यान के बाद प्रतिभागियों ने बेहतर खानपान, जागरूकता फैलाने और बेटियों, बहनों और माताओं के लिए एक स्वस्थ भविष्य बनाने का संकल्प लिया। डीन श्रीमती अनुराधा मित्तल और उप-प्राचार्या प्रो. स्नेह हर्षिंदर शर्मा ने जागरूकता की इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन सुश्री ज्योति के मार्गदर्शन में किया गया।

पंचकूला में 13 सितंबर से होगा अश्विनी गुप्ता मेमोरियल अखिल भारतीय सब जूनियर बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)।हरियाणा बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा योनेक्स-सनराइज अश्विनी गुप्ता मेमोरियल अखिल भारतीय सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट 2025 का आयोजन 13 से 21 सितंबर 2025 तक मल्टीपर्पज़ हॉल, ताऊ देवी लाल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सेक्टर-3, पंचकूला में किया जा रहा है। इस आयोजन का मुख्य प्रायोजक स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसाइटी (पंजीकृत), पंचकूला है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। वहीं, खेल राज्य मंत्री, हरियाणा श्री गौरव गौतम पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री ज्ञान चंद गुप्ता दोनों समारोहों की अध्यक्षता करेंगे।

यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट अंडर-15 और अंडर-17 श्रेणियों में खेला जाएगा। प्रत्येक श्रेणी में पाँच स्पर्धाएँ होंगी—बालक एकल, बालिका एकल, बालक युगल, बालिका युगल और मिश्रित युगल। टूर्नामेंट में लगभग 2000 प्रतिभागी भाग लेंगे, जिनके लिए कुल 2700 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई हैं।

क्वालीफाइंग राउंड के मैच 13 से 17 सितंबर तक तथा मुख्य ड्रॉ के मैच 18 से 21 सितंबर तक खेले जाएगें। लड़कियों के क्वालीफाइंग मैच ए.एम. बैडमिंटन अकादमी, जीरकपुर में आयोजित होंगे।

पहली बार होगा जिला स्तरीय गली क्रिकेट प्रतियोगिता 'अटल ट्रॉफी' का आयोजन

स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसाइटी (पंजीकृत) के चेयरमैन एवं हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री ज्ञान चंद गुप्ता ने जानकारी दी कि पंचकूला में पहली बार पंचकूला जिला गली क्रिकेट टूर्नामेंट – अटल ट्रॉफी का आयोजन किया जा रहा है। इसमें पूरे जिले से कुल 180 टीमें भाग लेंगी। विजेता टीम को 1,00,000 रुपए एवं ट्रॉफी, जबकि उपविजेता टीम को 51,000 रुपए एवं ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त पाँच सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को 5100 रूपये प्रत्येक और ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा। टूर्नामेंट के सभी मैच जिले के छह विभिन्न क्रिकेट मैदानों पर आयोजित होंगे। भव्य उद्घाटन समारोह 8 अक्टूबर को शाम 6 बजे टीडीएल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सेक्टर-3, पंचकूला में होगा, जबकि समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह 13 अक्टूबर को टीडीएल क्रिकेट स्टेडियम, पंचकूला में संपन्न होगा। श्री गुप्ता ने बताया कि सभी भाग लेने वाली टीमों को रंगीन पोशाक एवं स्वच्छ जलपान निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। प्रतिभागियों से कोई प्रवेश शुल्क नहीं लिया जाएगा और खिलाड़ियों के लिए आधार कार्ड (जिला प्रमाण) अनिवार्य होगा। टूर्नामेंट के संचालन हेतु बीसीसीआई मान्यता प्राप्त तकनीकी पर्यवेक्षक, अम्पायर और स्कोरर नियुक्त किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस टूर्नामेंट का मुख्य उद्देश्य युवाओं को खेलों की ओर प्रेरित करना, उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान करना तथा ग्रामीण और पिछड़े वर्ग के युवाओं को नशे से दूर रखते हुए खेल संस्कृति से जोड़ना है। अपनी स्थापना के बाद से स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसाइटी (पंजीकृत) पिछले 17 वर्षों से पूरे हरियाणा, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों के विकास और प्रोत्साहन में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है।

सौर ऊर्जा को मिलकर बढ़ावा देंगे भारत और मारीशस

नई दिल्ली : भारत और मारीशस नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को नई गति देंगे। दोनों देश सौर व पवन ऊर्जा उत्पादन के साथ ऊर्जा सुरक्षा और परिवर्तन के साथ समावेशी विकास के लिए संयुक्त रूप से काम करेंगें। यह समझौता बुधवार को मुंबई में भारत के ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल और मॉरीशस के ऊर्जा मंत्री पैट्रिक गेरवाइस असिरवाडेन के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता के दौरान हुआ। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने मारीशस के ऊर्जा मंत्री पैट्रिक गेरवाइस असिरवाडेन को पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। दोनों देशों के मंत्रियों के बीच द्विपक्षीय वार्ता के दौरान नवीकरणीय ऊर्जा, विद्युत उत्पादन, पारेषण, वितरण और ग्रिड प्रबंधन में सहयोग करने और ऊर्जा संरक्षण एवं दक्षता सुधार उपायों पर सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। यह द्विपक्षीय वार्ता भारत और मारीशस के बीच साझेदारी सुरक्षित, लचीली और टिकाऊ ऊर्जा प्रणालियों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित होगी। भारत के ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि दोनों देश विश्वास और पारस्परिक सम्मान के आधार पर अपने लोगों के लिए एक टिकाऊ, लचीली और समृद्ध ऊर्जा भविष्य के निर्माण हेतु अपने सहयोग को जारी रखने के लिए तत्पर हैं। मनोहर लाल ने कहा कि मारीशस का ऊर्जा क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है और भारत इस विकास में हर संभव तकनीकी और संसाधन सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। भारत ने अपनी नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया है, और अब भारत, मारीशस के साथ मिलकर सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं में सहयोग बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। मनोहर लाल ने कहा कि भारत, मारीशस के साथ मिलकर एक व्यापक योजना तैयार करेगा, जिसमें सौर ऊर्जा का अधिकतम उपयोग किया जाएगा। इसके अलावा, पवन ऊर्जा के क्षेत्र में भी भारत तकनीकी सहायता करेगा।

वहीं मारीशस के ऊर्जा मंत्री पैट्रिक गेरवाइस असिरवाडेन ने भारत और मारीशस के बीच द्विपक्षीय वार्ता को ऐतिहासिक क्षण करार देते हुए कहा कि मारीशस की ऊर्जा सुरक्षा और स्थिरता के लिए भारत का सहयोग अमूल्य है। भारत के साथ मिलकर सौर और पवन ऊर्जा जैसे स्वच्छ स्त्रोतों को बढ़ावा देने की प्राथमिकता रहेगी।

मारीशस से भारत के नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन की सराहना

मारीशस के ऊर्जा मंत्री असिरवाडेन ने भारत के नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन की सराहना की। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह द्विपक्षीय समझौता न केवल ऊर्जा स्त्रोंतो को मजबूती देगा, बल्कि पर्यावरणीय संरक्षण में भी मददगार साबित होगा। इस सहयोग का उद्देश्य न केवल ऊर्जा आवश्यकता पूरी करना है, बल्कि आपके आर्थिक विकास को भी गति देना है।

मरसी फॉर एनिमल्स इंडिया फाउंडेशन के एक्टिविस्ट्स ने पिंजरा-मुक्त अंडों के वादे को पूरा न करने पर मैरियट होटल के सामने किया प्रदर्शन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मरसी फॉर एनिमल्स इंडिया फाउंडेशन के कार्यकर्ताओं ने मैरियट इंटरनेशनल होटल द्वारा पिंजरा-मुक्त अंडों के वादे को पूरा न करने पर सेक्टर 35 स्थित होटल के बाहर एक ज़ोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता बाथरोब पहनकर और एक स्वयंसेवक मुर्गी की वेशभूषा में, खून से सने अंडे के बक्सों के साथ खड़े होकर मैरियट इंटरनेशनल पर उसके 2025 के अंत तक 100 फीसदी पिंजरा-मुक्त अंडे अपनाने के वैश्विक वादे को न निभाने का आरोप लगा रहे थे। इस प्रदर्शन ने उन लगभग 40 करोड़ मुर्गियों की पीड़ा को उजागर किया जो भारत में बैटरी पिंजरों में कैद हैं, और जिनकी स्थिति अंतरराष्ट्रीय होटल दिग्गज कंपनियों जैसे मैरियट द्वारा 100% पिंजरा-मुक्त अंडे न अपनाने के कारण बदतर है।

फाउंडेशन के आयोजन समन्वयक कुशल समद्दार ने कहा कि मैरियट के पास अपना वादा पूरा करने के लिए 17 साल थे, लेकिन कंपनी ने कोई संतोषजनक प्रगति नहीं की तथा अपार संसाधनों और वैश्विक पहुंच के बावजूद कंपनी क्रूर, पुरानी बैटरी-पिंजरा प्रणाली से अंडे लेना जारी रखे हुए है, जिससे अरबों मुर्गियां जीवन भर अत्यधिक कैद और पीड़ा झेलने को मजबूर हैं। दिसंबर 2018 में मैरियट ने घोषणा की थी कि वह 2025 के अंत तक 142 देशों में अपने लगभग 9,100 होटलों में 100 फीसदी पिंजरा-मुक्त अंडों की आपूर्ति श्रृंखला अपना लेगा। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। मैरियट भारत को अमेरिका और चीन के बाद अपना तीसरा सबसे बड़ा वैश्विक बाज़ार बनाने की योजना बना रहा है। क्षेत्र में बड़े पैमाने पर विस्तार की योजनाएं जारी हैं।

बाढ़ से लोगों के बचाव हेतु 115 राहत कैंप जारी, 4533 लोगों को दिया आश्रय: हरदीप सिंह मुंडियां

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के राजस्व, पुनर्वास एवं आपदा प्रबंधन मंत्री स हरदीप सिंह मुंडियां ने आज यहाँ बताया कि बाढ़ के दौरान पिछले 24 घंटों में प्रदेश में और 88 गांव, 374 व्यक्ति तथा 55 हेक्टेयर खेती योग्य जमीन प्रभावित हुई है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार अब तक प्रदेश के 22 जिलों में प्रभावित गांवों की कुल संख्या 2185 और प्रभावित व्यक्तियों की संख्या 3,88,466 तक पहुंच गई है।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान फिरोजपुर में एक और व्यक्ति की जान चली गई है, जिससे 15 जिलों में कुल मृतकों की संख्या 53 हो गई है। उन्होंने बताया कि पठानकोट में तीन व्यक्ति अभी भी लापता हैं।

उन्होंने आगे बताया कि इसी अवधि में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से 91 और लोगों को बाहर निकाला गया है, जिससे अब तक बचाए गए लोगों की संख्या 23,297 हो गई है। वर्तमान समय में प्रदेश भर में 115 राहत कैंप जारी हैं, जिनमें 4533 लोग बसेरा कर रहे हैं।

फसलों के नुकसान के बारे में जानकारी साझा करते हुए स हरदीप सिंह मुंडियां ने बताया कि 18 जिलों में क्षतिग्रस्त फसलों का कुल रकबा 1,91,981.45 हेक्टेयर तक पहुंच गया है।

राजस्व मंत्री ने बताया कि 10 सितंबर तक 22 जिलों के 2185 गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं तथा प्रभावित आबादी की संख्या 3,88,466 तक पहुंच गई है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में एन.डी.आर.एफ की 14 टीमें, एस.डी.आर.एफ की 2 टीमें, फौज की 18 टुकड़ियां तथा 1 इंजीनियर टास्क फोर्स तैनात है। भारतीय वायुसेना एवं फौज के लगभग 30 हेलीकॉप्टर बचाव कार्यों में सहायता कर रहे हैं। इसके अलावा मौजूदा राहत कार्यों में 182 किश्तियां शामिल हैं।

हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा 'किशोरों की मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियां डिजिटल प्रौद्योगिकी और उसका प्रभाव' विषय पर सेमिनार किया गया आयोजित

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, चंडीगढ़ द्वारा आज मनसा देवी कांप्लेक्स सेक्टर-5 स्थित शिशु निकेतन पब्लिक स्कूल में 'किशोरों की मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियां डिजिटल प्रौद्योगिकी और उसका प्रभाव' विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया।

मुख्यवक्ता मंडलीय बाल कल्याण अधिकारी रोहतक एवं राज्य नोडल अधिकारी अनिल मलिक ने उपस्थित किशोरों व शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि डिजिटल युग ने उन्नत शिक्षा, वैश्विक संपर्क, नये करियर के अवसरों के माध्यम से समाज पर सकारात्मक प्रभाव डाला है, लेकिन इसके साथ ही बातचीत में कमी, हानिकारक नकारात्मक सामग्री के संपर्क में आना और मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य में गिरावट भी आ रही है।

उन्होंने कहा कि डर और आत्म-संदेह, सबसे बड़ी कमजोरी है जो पूरी क्षमता को कुचल सकती है। इसलिए अपना आत्मविश्वास बढ़ाएं, डर को बढ़ने न दें, बल्कि उसको समझें और उससे लड़ें। हर दिन 1 प्रतिशत बेहतर करने का प्रयास करें, विचारों पर निरंतर काम करते हुए सकारात्मकता की ओर बढ़ें, हमेशा ध्यान रहे कि डर के आगे जीत है। इसलिए पहले एक्शन लें, फिर प्रयास जारी रखें। इच्छाशक्ति, आत्मबल व सकारात्मक सोच इंसान की प्राकृतिक क्षमता है, इनको विकसित करते रहें। परामर्शदाता नीरज कुमार ने कहा कि जिज्ञासावश उत्तपन्न हुए सवाल हमेशा अपने अभिभावकों व अध्यापकों से पूछते रहें। बढ़ती उम्र के साथ समय-समय पर अपने दोस्तों व सामाजिक परिवेश को भी समझें।

उत्तर रेलवे
ई-टेंडरिंग
खुली निविदा सूचना संख्या एनआईटी-09/2025-26 दिनांक 09.09.2025
सीनियर डिविजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/जी, उत्तर रेलवे, अंबाला द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई–निविदा के माध्यम से इच्छुक ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिए **15.00 बजे** तक या कार्य के सामने दिखाई गई समाप्ति की तिथि तक खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा संख्या : 30-विद्युत-11/2025-26 (ओपन टेंडर)
कार्य का नाम : अंबाला डिवीजन में संलग्न अनुलग्नक-1 के अनुसार स्टेशनों/स्थानों पर कार्यालयों और सेवा भवनों की रिवायरिंग और बिजली आपूर्ति सुधार के संबंध में विद्युत कार्य, कैमटेक मानक के अनुसार रोलिंग इन/आउट परीक्षा बिंदुओं में प्रकाश व्यवस्था के प्रावधान द्वारा बुनियादी सुविधाओं का विस्तार, रनिंग रूम चंडीगढ़ का विस्तार, रनिंग रूम अंबाला का विस्तार, आरओएच डिपो खलनामपुरा में सीटीआरबी के रखरखाव के लिए पोर्टा केबिन के प्रावधान द्वारा बुनियादी सुविधाओं में सुधार, नंगल डैम में नए अधिकारी विश्राम गृह का प्रावधान, नंगल डैम में मौजूदा ओआरएच का नवीनीकरण और सरहिंद–दौलतपुर चौक खंड पर आनंदपुर साहिब में विश्राम कक्ष का सुधार/नवीनीकरण, एडीईएन/सरहिंद के अधीन सरहिंद, मोरिंडा, कुराली, नंगल डैम में टाइप-II, III, IV क्वार्टरों की जैक आर्च छत की मरम्मत, एडीईएन/राजपुरा के अधीन एसएसई/वर्क्स/आरपीजे के खंड में राजपुरा, खन्ना में टाइप-II, III, IV क्वार्टरों की जैक आर्च छत की मरम्मत सी एंड डब्ल्यू डिपो, चंडीगढ़ के संबंध में विद्युत कार्य
लगभग लागत (रु.) : रु. 3,26,76,768.47
बोली प्रतिभूति (रु.) : रु. 3,13,400.00
पूर्ण होने की अवधि : 06 महीने
बंद करने और खोलने की तिथि : 01.10.2025

1) निविदाकर्ताओं को शर्तों के अनुसार PAN/TIN/GST सहित सभी संबंधित पात्र दस्तावेजों की स्कैन की हुई प्रतियों को अपलोड करना आवश्यक है। **2)** आवश्यक बोली सुरक्षा नेट बैंकिंग/या भुगतान गेटवे के माध्यम से केवल निविदा की अंतिम तिथि और समय के **15.00 बजे** से पहले ही ऑनलाइन भुगतान स्वीकार्य होगी। **3)** कार्य निविदाओं की ई–निविदा में भाग लेने के लिए निविदाकर्ताओं के पास तृतीय श्रेणी का डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए। **4)** विवरण के लिए, कृपया आईआरईपीएस वेबसाइट www.ireps.gov.in पर लॉग ऑन करें। **5)** जीएसटी अधिनियम 2017 के अनुसार जीएसटी लगाया जाएगा। **2747/25**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कपालमोचन में संतों के सानिध्य में दलितों के हकों की आवाज बुलंद करने का संकल्प

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। दलित, शोषित और वंचितों के हकों की आवाज बन चुके केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल के मुख्य मीडिया सलाहकार ने अपने जन्मदिवस पर संतों के सानिध्य में दलितों की आवाज बुलंद करने का संकल्प लिया। अब हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान समारोह नए रंग में नजर आएगा। संविधान-स्वाभिमान समारोह की कमान न केवल युवा शक्ति संभालेगी, बल्कि हर गांव में टीम गठित होगी, जोकि दलितों के हकों की पैरोकार बनेगी।

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री के मुख्य मीडिया सलाहकार सुदेश कटारिया ने अपना जन्मदिवस सादगी के साथ कपालमोचन में साधू-संतों के सानिध्य में मनाया। संतों के आशीर्वाद के साथ कटारिया ने दलितों के हकों की आवाज बुलंद करने और अंत्योदय उत्थान मिशन के तहत समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लाभार्थी तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का संकल्प लिया। कपालमोचन में कटारिया के जन्मदिवस पर सादगी भरा भव्य कार्यक्रम आयोजित हुई। महिलाओं ने मंगलगीत आए और युवाओं ने पुष्प वर्षा के साथ उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। वहीं, साधू-संतों ने मंत्रोच्चरण और शंखनाद के बीच उन्हें दीर्घायु के साथ गरीबों के हकों की आवाज मजबूती से उठाने का आशीर्वाद दिया। यह पहला मौका था, जब कोई राजनीतिक व्यक्ति साधू-संतों के सम्मान के लिए आगे आया है। कपालमोचन में दलित समाज का बड़ा तीर्थ है।

सुदेश कटारिया ने साधू-संतों, महिलाओं और युवा शक्ति का अभिवादन स्वीकार करते हुए कहा कि उन्हे मान-सम्मान दिया गया है, वे उसके लिए आभारी हैं। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को आश्वास्त किया कि वे हमेशा दलितों, वंचितों व शोषितों की आवाज बने हैं और आगे भी उनके हितों की रक्षा करने से पीछे नहीं हटेंगे। सुदेश कटारिया ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने दलित व शोषित समाज के हकों की पैरोकार करने की जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने कहा कि साढ़े 9 साल बतौर मुख्यमंत्री और अब केंद्रीय ऊर्जा मंत्री के तौर पर मनोहर लाल का राजनीतिक मिशन सेवा है। यमुनानगर के कपालमोचन में आयोजित हुए समारोह में दलित समाज की प्रमुख हस्तियां ने हिस्सा लिया।

भ्रष्टाचार, जातिवाद और क्षेत्रवाद को समाप्त कर पेश किया अंत्योदय उत्थान मॉडल

सुदेश कटारिया ने कहा कि जब वर्ष 2014 में मनोहर लाल ने बतौर मुख्यमंत्री प्रदेश की कमान संभाली तो उन्होंने सबसे पहले भाईभतीजावाद, भ्रष्टाचार, क्षेत्रवाद और जातिवाद जैसे नासूर को न केवल खत्म किया, बल्कि सुशासन, पादर्शिता और अंत्योदय उत्थान का ऐसा मॉडल पेश किया, जोकि आज भी देश भर में मिसाल है। मनोहर लाल ने अंत्योदय उत्थान के मॉडल के जरिये समाज की अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक लाभ पहुंचा, जिसका सबसे ज्यादा फायदा दलितों को हुआ।

नर को नारायण बनाने वाली दिव्य चेतना है श्रीमद्भागवत कथा : भागवत व्यास उद्धव कौंदड महाराज

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। सैक्टर 40-ए स्थित श्री राधा-कृष्ण मन्दिर में पितृपक्ष के अवसर पर श्रीमद्भागवत कथा कराई जा रही है। भागवत व्यास उद्धव कौंदड महाराज (सहारनपुर वाले) ने श्रीमद्भागवत को जीवन जीने की एक अद्भुत शैली को बताते हुए कहा कि यह महापुराण वैष्णवों का मुकुटमणि है। भगवान् श्रीकृष्ण का शब्दमय विग्रह, आध्यात्मिक रस की अलौकिक प्यास, असंतुष्ट जीवन को शान्ति प्रदान करने वाला दिव्य अमृत रस, या यों कहिये नर को नारायण बनाने वाली दिव्य चेतना है श्रीमद्भागवत महापुराण। इसमें 12 स्कन्ध, 335 अध्याय एवं 28000 श्लोक हैं। उन्होंने आज की कथा में वामन भगवान के चरित्र का उल्लेख करते हुए बताया कि असुरराज बलि ने तीनों लोकों पर अधिकार कर लिया था।

संपादकीय

अधिकारी क्यों नहीं होते सजग और संवेदनशील?

बरसात के दिनों में सड़कों के किनारे बने नाले या बड़े गड्ढे अक्सर पानी से भर जाते हैं और उसके खतरे का अंदाजा नहीं होना स्वाभाविक है। विडंबना यह है कि ऐसे गड्ढे या नाले में गिर कर किसी की मौत की घटनाओं को आमतौर पर हादसा मान कर नजरअंदाज कर दिया जाता है और लापरवाही के जिम्मेदार लोग बच जाते हैं। मगर असम के गुवाहाटी में सामने आई एक घटना इस मामले में एक नजीर है। गौरतलब है कि गुवाहाटी में एक निर्माणाधीन उपरिगामी पुल स्थल पर कई नाले और मैनहोल को खुला छोड़ दिया गया था। उसी में एक नाले में गिर जाने की वजह से तीन वर्ष के एक बच्चे की मौत हो गई।अगर इसे भी महज एक हादसा मान लिया जाता तो शायद इस पहलू पर किसी को सोचने की जरूरत नहीं महसूस होती कि वहां नाले को खुला छोड़ दिया गया था, तो यह वहां ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों या कर्मचारियों की लापरवाही थी, जिसने एक बच्चे के जान ले ली। मगर बच्चे के पिता ने कंपनी की लापरवाही की शिकायत की और उसके बाद आरोपी तीन अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया।सवाल है कि किसी भी निर्माण स्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने के बुनियादी पहलू को लेकर वहां मौजूद अधिकारी सजग और संवेदनशील क्यों नहीं होते। खुला छोड़ दिए गए गड्ढे, नाले या मैनहोल में अगर धोखे से कोई व्यक्ति गिर जाता है और उसे कोई बड़ा शारीरिक नुकसान होता है, तो ऐसी घटना को हादसे के बजाय आपराधिक लापरवाही के तौर पर क्यों नहीं देखा जाए? सवाल है कि लोगों की आम आवाजाही वाली जगह पर अगर इस तरह की घोर अनदेखी की वजह से किसी की जान चली जाती, तो इसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।सड़कों-रास्तों के आसपास मैनहोल, नाले या गड्ढे को ढकना और पूरी तरह जोखिमरहित बनाने का दायित्व किसका है? अगर कोई महकमा या उसके अधिकारी गड्ढे को ढके जाने को लेकर अपना काम ईमानदारी से पूरा करने के मामले में लापरवाही बरतते हैं और इसका नुकसान किसी व्यक्ति या परिवार को उठाना पड़ता है, तो इसकी पूरी जवाबदेही गड्ढे को खुला छोड़ने वाले लोग, कंपनी, संबंधित विभाग और अधिकारी पर होनी चाहिए।

000

मोहन भागवत की 75वीं जयंती पर प्रधानमंत्री का विशेष लेख

लेखकः
माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी

भागवत जी का पूरा जीवन सतत प्रेरणा देने वाला रहा है। वे 1970 के दशक के मध्य में प्रचारक बने। सामान्य जीवन में प्रचारक शब्द सुनकर ये भ्रम हो जाता है कि कोई प्रचार करने वाला व्यक्ति होगा, लेकिन जो संघ को जानते हैं उनको पता है कि प्रचारक परंपरा संघ कार्य की विशेषता है। गत 100 वर्षों में देशभक्ति की प्रेरणा से भरे हजारों युवक-युवतियों ने अपना घर-परिवार त्यागकरके पूरा जीवन संघ परिवार के माध्यम से राष्ट्र को समर्पित किया है।

आज 11 सितंबर है। यह दिन अलग-अलग स्मृतियों से जुड़ा है। एक स्मृति 1893 की है, जब स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में विश्वबंधुत्व का संदेश दिया और दूसरी स्मृति है 9/11 का आतंकी हमला, जब विश्व बंधुत्व को सबसे बड़ी चोट पहुंचाई गई। आज के दिन की एक और विशेष बात है। आज एक ऐसे व्यक्तित्व का 75वां जन्मदिवस है जिन्होंने वसुधैवकुटुंबकम के मंत्र पर चलते हुए समाजकोसंगठितकरने, समता-समरसताऔरबंधुत्वकीभावनाकोसशक्तकरनेमें अपना पूरा जीवन समर्पितकियाहै।

संघ परिवार में जिन्हें परम पूजनीय सरसंघचालक के रूप में श्रद्धाभाव से संबोधित किया जाता है, ऐसे आदरणीय मोहन भागवत जी का आज जन्मदिन है। यह एक सुखद संयोग है कि इसी साल संघ भी अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है। मैं भागवत जी को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ और प्रार्थना करता हूँ कि ईश्वर उन्हें दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें।

मेरा मोहन भागवत जी के परिवार से बहुत गहरा संबंध रहा है। मुझे उनके पिता, स्वर्गीय मधुकरराव भागवत जीके साथ निकटता से काम करने का सौभाग्य मिला था। मैंने अपनी पुस्तकज्योतिपुंजमेंमधुकररावजी के बारे में विस्तार से लिखा भी है। वकालत के साथ-साथ मधुकरराव जी जीवनभर राष्ट्र निर्माण के कार्य में समर्पित रहे। अपनी युवावस्था में उन्होंने लंबा समय गुजरात में बिताया और संघ कार्य की मजबूत नींव रखी। मधुकरराव जी का राष्ट्र निर्माण के प्रति झुकाव इतना प्रबल था कि अपने पुत्र मोहनराव को भी इस महान कार्य के लिए निरंतर गढ़ते रहे।एकपारसमणि मधुकररावने मोहनराव के रूप में एक और पारसमणि तैयार कर दी।

भागवत जी का पूरा जीवन सतत प्रेरणा देने वाला रहा है। वे 1970 के दशक के मध्य में प्रचारक बने। सामान्य जीवन में प्रचारक शब्द सुनकर ये भ्रम हो जाता है कि कोई प्रचार करने वाला व्यक्ति होगा, लेकिन जो संघ को जानते हैं उनको पता है कि प्रचारक परंपरा संघ कार्य की विशेषता है। गत 100 वर्षों में देशभक्ति की प्रेरणा से भरे हजारों युवक-युवतियों ने अपना घर-परिवार त्यागकरके पूरा जीवन संघ परिवार के माध्यम से राष्ट्र को समर्पित किया है। भागवत जी भी उस महान परंपरा की मजबूत धुरी हैं। भागवत जी ने उस समय प्रचारक का दायित्व संभाला, जब तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने देश पर इमरजेंसी थोप दी थी। उस दौर में प्रचारक के रूप में भागवत जी ने आपातकाल-विरोधी आंदोलन को निरंतर मजबूती दी। उन्होंने कई वर्षों तक महाराष्ट्र के ग्रामीण और पिछड़े इलाकों, विशेषकर विदर्भ में काम किया। 1990 के दशक मेंअखिल भारतीय शारीरिक प्रमुखके रूप में मोहन भागवत जी के कार्योंको आज भी कई स्वयंसेवक स्नेहपूर्वक याद करते हैं। इसी कालखंड में मोहन भागवत जी ने बिहार के गांवों में अपने जीवन के अमूल्य वर्ष बिताए और समाज को सशक्त करने के कार्य में समर्पित रहे।

20वीं सदी के आखिरी पड़ाव पर वेअखिल भारतीय प्रचार प्रमुख बने।वर्ष 2000 में वेसरकार्यवाहबने और यहाँ भी भागवत जी ने अपनी अनोखी कार्यशैली से हर कठिन परिस्थिति को सहजता और सटीकता से संभाला। 2009 में वेसरसंघचालकबने और आज भी अत्यंत ऊर्जा के साथ कार्य कर रहे हैं। भागवत जी ने राष्ट्र प्रथम की मूल विचारधारा को हमेशा सर्वोपरि रखा।

सरसंघचालक होना मात्र एक संगठनात्मक जिम्मेदारी नहीं है। यह एक पवित्र विश्वास है, जिसे पीढ़ी-दर-पीढ़ी दूरदर्शी व्यक्तित्वों ने आगे बढ़ाया है और इस राष्ट्र के नैतिक और सांस्कृतिक पथ को दिशा दी है। असाधारण व्यक्तियों ने इस भूमिका को व्यक्तिगत त्याग, उद्देश्य की स्पष्टता और माँ भारती के प्रति अटूट समर्पण के साथ निभाया है। यह गर्व की बात है कि मोहन भागवत जी ने न केवल इस विशाल जिम्मेदारी के साथ पूर्ण न्याय किया है, बल्कि इसमें अपनी व्यक्तिगत शक्ति, बौद्धिक गहराई और सहृदय नेतृत्व भी जोड़ा है। भागवत जी का युवाओं से सहज जुड़ाव है और इसलिए उन्होंने अधिक से अधिक युवाओं को संघ कार्य के लिए प्रेरित किया है। वे लोगों से प्रत्यक्ष संपर्क में रहते हैं, और संवाद करते रहते हैं। श्रेष्ठ कार्य पद्धति को अपनाने की इच्छा और बदलते समय के प्रति खुला मन रखना, ये मोहनजी की बहुत बड़ी विशेषता रही है। अगर हम व्यापक संदर्भ में देखते हैं तो संघ की 100 साल की यात्रा में भागवत जी का कार्यकाल संघ में सर्वाधिक परिवर्तन का कालखंड माना जाएगा। चाहे वो गणवेश परिवर्तन हो, संघ शिक्षा वर्गों में बदलाव हो, ऐसे अनेक महत्वपूर्ण परिवर्तन उनके निर्देशन में संपन्न हुए।

कोरोना काल में मोहन भागवत जी के प्रयास विशेष रूप से याद आते है। उस कठिन समय में उन्होंने स्वयंसेवकों को सुरक्षित रहते हुए समाजसेवा करने की दिशा दी और टेक्नोलॉजी का उपयोग बढ़ाने पर बल दिया। उनके मार्गदर्शन में स्वयंसेवकों ने जरूरतमंदों तक हरसंभव सहायता पहुँचाई, जगह-जगह मेडिकल कैंप लगाए। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों और वैश्विक विचार को प्राथमिकता देते हुए व्यवस्थाओं को विकसित किया। हमें कई स्वयंसेवकों को खोना भी पड़ा, लेकिन भागवत जी की प्रेरणा ऐसी थी कि अन्य स्वयंसेवकों की दृढ़ इच्छाशक्ति कमजोर नहीं पड़ी। इस वर्ष की शुरुआत में, मैंने नागपुर में उनके साथ माधव नेत्र चिकित्सालय के उद्घाटन के दौरान मैंने कहा था कि संघ अक्षयवट की तरह है, जो राष्ट्रीय संस्कृति और चेतना को ऊर्जा देता है। इस अक्षयवट वृक्ष की जड़ें इसके मूल्यों की वजह से बहुत गहरी और मजबूत हैं। इन मूल्यों को आगे बढ़ाने में जिस समर्पण से मोहन भागवत जी जुटे हुए हैं, वो हर किसी को प्रेरणा देता है।

समाज कल्याण के लिए संघ की शक्ति के निरंतर उपयोग पर मोहन भागवत जी का विशेष बल रहा है। इसके लिए उन्होंने पंच परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया है। इसमें स्व बोध, सामाजिक समरसता, नागरिक शिष्टाचार, कुटुम्ब प्रबोधन और पर्यावरण के सूत्रों पर चलते हुए राष्ट्र निर्माण को प्राथमिकता दी गई है। देश और समाज के लिए सोचने वाले हर भारतवासी को पंच परिवर्तन के इन सूत्रों से अवश्य प्रेरणा मिलेगी। संघ का हर कार्यकर्ता वैभव संपन्न भारत माता का सपना साकार होते देखना चाहता है। इस सपने को पूरा करने के लिए जिस स्पष्ट विज़न औरठोस एक्शन की जरूरत होती है, मोहन जी इन दोनों गुणों से परिपूर्ण हैं।

मोहन जी के स्वभाव की एक और बड़ी विशेषता ये है कि वो मृदुभाषी हैं। उनमें सुनने की भी अद्भुत क्षमता है। यह विशेषता न केवल उनके दृष्टिकोण को गहराई देती है, बल्कि उनके व्यक्तित्व और नेतृत्व में संवेदनशीलता और गरिमा भी लाती है। मोहन जी, हमेशा 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के प्रबल पक्षधर रहे हैं। भारत की विविधता और भारत भूमि की शोभा बढ़ा रही अनेक संस्कृतियों और परंपराओं के उत्सव में भागवत जी पूरे उत्साह से शामिल होते हैं। वैसे बहुत कम लोगों को ये पता है कि मोहन भागवत जी अपनी व्यस्तता के बीच संगीत और गायन में भी रुचि रखते है। वे विभिन्न भारतीय वाद्ययंत्रों में भी निपुण हैं। पठन-पाठन में उनकी रुचि, उनके अनेक भाषणों और संवादों में साफ दिखाई देती है।

पिछले दिनों देश में जितने सफल जन-आंदोलन हुए चाहे स्वच्छ भारत मिशन हो या बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मोहन भागवत जी ने पूरे संघ परिवार को इन आंदोलनों में ऊर्जा भरने के लिए प्रेरित किया। मैं पर्यावरण से जुड़े प्रयासों और सस्टेनेबल लाइफस्टाइल को आगे बढ़ाने के प्रति उनके समर्पण को जानता हूँ। मोहन जी का बहुत जोर आत्मनिर्भर भारत पर भी है। कुछ ही दिनों में विजयादशमी पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 100 वर्ष का हो जाएगा।यह भी सुखद संयोग है कि विजयादशमी का पर्व, गांधी जयंती, लाल बहादुर शास्त्री की जयंती और संघ का शताब्दी वर्ष एक ही दिन आ रहे हैं।

यह भारत और विश्वभर के लाखों स्वयंसेवकों के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है। हम स्वयंसेवकों का सौभाग्य है कि हमारे पास मोहन भागवत जी जैसे दूरदर्शी और परिश्रमी सरसंघचालक हैं, जो ऐसे समय में संगठन का नेतृत्व कर रहे हैं। एक युवा स्वयंसेवक से लेकर सरसंघचालक तक की उनकी जीवन यात्रा उनकी निष्ठा और वैचारिक दृढ़ता को दर्शाती है। विचार के प्रति पूर्ण समर्पण और व्यवस्थाओं में समयानुकूल परिवर्तन करते हुए उनके नेतृत्व में संघ कार्य का निरंतर विस्तार हो रहा है।

मैं माँ भारती की सेवा में समर्पित मोहन भागवत जी के दीर्घ और स्वस्थ जीवन की पुनः कामना करता हूँ। उन्हें जन्मदिवस पर अनेकानेक शुभकामनाएं।

महंत दिग्विजयनाथ - स्वतंत्रता का शौर्य, साधना का तेज और स्वाभिमान का आलोक स्तंभ

(प्रणय विक्रम सिंह)

1934 से 1949 तक अयोध्या की धरा पर जो आंदोलन उठा, वह केवल मंदिर निर्माण का नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा के पुनर्जागरण का मंगल-मार्ग था। इसमें महंत दिग्विजयनाथ ने नींव का नायक और संघर्ष का सेनापति बनकर भूमिका निभाई। उन्होंने सभा से साधना और यात्रा से जागरण का कार्य किया।

भारत की पुण्यभूमि सदा उन महापुरुषों से विभूषित रही है, जिन्होंने अपने जीवन को लोककल्याण का साधन और राष्ट्रपथ का आलोक बनाया। बीसवीं शताब्दी के आरंभिक वर्षों में जब देश दासत्व की दाह में तप्त था और समाज दिशाहीनता के अंधकार में डूबा था, तभी मेवाड़ की मंगलमयी मिट्टी से सिसोदिया कुल में नान्हू सिंह नामक एक दैदीप्यमान दीप प्रकट हुआ, जिसे संसार ने आगे चलकर महंत दिग्विजयनाथ के नाम से जाना। वे संघर्ष के शौर्य, संस्कृति के संवाहक और समाजसेवा के साधक बने। उनका जीवन स्वतंत्रता का संकल्प, स्वाभिमान का स्वर्णिम स्वर और साधना का साक्षात् संगम था। प्रभुश्रीराममंदिर आंदोलन में उनका नेतृत्व और शिक्षा-ज्योति से गोरखपुर-अंचल का आलोकन इस सत्य का प्रमाण है कि वे केवल पीठाधीश्वर ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के प्रदीप भी थे। भारत जब विदेशी सत्ता की बेड़ियों में जकड़ा था, तब साधु-संन्यासियों ने समाज को संबल और शक्ति दी। उन्हीं में अग्रगण्य थे महंत दिग्विजयनाथ। बाल्यावस्था से ही उनमें स्वाभिमान का तेज और संकल्प की दृढ़ता दृष्टिगोचर होती थी।1920 में जब महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन का शंखनाद किया, तो उन्होंने विद्यालय त्यागकर यह सिद्ध कर दिया कि शिक्षा का त्याग भी स्वतंत्रता का उद्घोष हो सकता है। 1922 के चौरीचौरा प्रकरण में जब अंग्रेजों ने उन पर क्रांतिकारियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया, तब उनकी निर्भीकता और तर्कशक्ति के आगे साम्राज्यवादी सत्ता को झुकना पड़ा। यह स्पष्ट हो गया कि उनके भीतर साधु की साधना के साथ-साथ सेनानी का साहस भी प्रवाहित था।

राममंदिर आंदोलन-नींव के पत्थर - 1934 से 1949 तक अयोध्या की धरा पर जो आंदोलन उठा, वह केवल मंदिर निर्माण का नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा के पुनर्जागरण का मंगल-मार्ग था। इसमें महंत दिग्विजयनाथ ने नींव का नायक और संघर्ष का सेनापति बनकर भूमिका निभाई। उन्होंने सभा से साधना और यात्रा से जागरण का कार्य किया। उनके आह्वान से जनमानस में रामभक्ति की रश्मियां और राष्ट्रचेतना की ज्वालाएं एक साथ प्रज्वलित हुईं। 1949 में जब रामलला की प्रतिमा प्रकट हुई, तब यह आंदोलन निर्णायक मोड़ पर पहुंचा। उस समय महंत दिग्विजयनाथ का नेतृत्व मानो मंदिर की नींव का शिलालेख बन गया। समय साक्षी है कि उस कालखंड में महंत दिग्विजयनाथ जी ने राममंदिर आंदोलन के 'शिलान्यास पुरुष' के रूप में कार्य किया।5 अगस्त 2020 को जब अयोध्या में श्रीराम मंदिर का शिलान्यास हुआ, तब करोड़ों भारतीयों की आंखों में जो आंसू थे, उनमें महंत दिग्विजयनाथ की तपस्या का अंश भी सम्मिलित था। इतिहास जब भी राम मंदिर की गाथा सुनाएगा, वह महंतश्री का स्मरण अवश्य करेगा।

शिक्षा क्रांति के शिल्पी -महंत दिग्विजयनाथ भलीभांति जानते थे कि स्वतंत्रता की आत्मा केवल राजनीतिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं, बल्कि शिक्षा और संस्कार के प्रसार में निहित है। इसी उद्देश्य से उन्होंने 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की। एक किराए के मकान से प्रारंभ हुआ यह प्रयास आगे चलकर गोरखपुर और अंचल की शिक्षा-ज्योति बन गया। 1958 में उन्होंने महाराणा प्रताप डिग्री कॉलेज को गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु दान कर दिया। यह त्याग केवल संस्था का नहीं, बल्कि अपने संपूर्ण स्वत्व का राष्ट्रहित में समर्पण था। यही त्याग आज लगभग चार दर्जन शिक्षण संस्थानों के रूप में फल-फूल रहा है। तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अपने समय में योगदान करते हुए महंत दिग्विजयनाथ जी ने 1956 में एमपी पॉलिटेक्निक और चिकित्सा शिक्षा के लिए साठ के दशक में आयुर्वेद कॉलेज की स्थापना कर दी थी। इन प्रकल्पों को आगे बढ़ाने का काम महंत अवेद्यनाथ जी महाराज ने किया।2021 में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा लोकार्पित महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय उसी शिक्षा-ज्योति की नवीनतम लौ है। महंत दिग्विजयनाथ केवल मठ के महंत नहीं थे, वे मूल्य के महाबोधि और समाज के सेतु थे। उन्होंने साधु की साधना को समाज की सेवा से जोड़ा और संन्यासी की तपश्चर्या को राष्ट्रधर्म की तप्त अग्नि में रूपांतरित किया। 1939 में उन्होंने अखिल भारतीय अवधूत भेष बारह पंथ योगी महासभा की स्थापना की। इस प्रयास से संत समाज संकीर्ण संन्यास से निकलकर लोककल्याण की ललकार बन गया। यह केवल संगठन नहीं था, बल्कि साधु-संतों को समाज का सशक्त स्तंभ बनाने का अभियान था। 1956 में जब मास्टर तारा सिंह पंजाबी सूबे की मांग पर आमरण अनशन पर बैठे, तो महंत दिग्विजयनाथ ने अपनी सूझबूझ और संवाद की शक्ति से उसे समाप्त कराया। यह घटना दर्शाती है कि उनके लिए समाधान संघर्ष का शोर नहीं, बल्कि संवाद का सेतु था।1960 में हरिद्वार का षड्दर्शन सभा सम्मेलन, 1961 में दिल्ली का अखिल भारतीय हिंदू सम्मेलन और 1965 का अखिल विश्व हिंदू सम्मेलन, ये सभी आयोजन उनकी संगठन क्षमता और राष्ट्र-समन्वयक दृष्टि का प्रमाण हैं। 1961 में वे अखिल भारतीय हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। यह पद उनके लिए राजनीति का शिखर नहीं, बल्कि हिंदू समाज की चेतना का शंखनाद था।

सत्ता नहीं, साधना का संकल्प - महंत दिग्विजयनाथ का राजनीति में प्रवेश सत्ता की सीढ़ी चढ़ने के लिए नहीं, बल्कि सत्य और स्वाभिमान की साधना के लिए था। उनके लिए राजनीति कोई पेशा नहीं, बल्कि राष्ट्रधर्म की प्रतिष्ठा थी।स्वतंत्रता संग्राम से लेकर रामजन्मभूमि आंदोलन तक, उनका प्रत्येक कदम इस विश्वास का द्योतक था कि राष्ट्र का उत्थान केवल नीतियों से नहीं, बल्कि निष्ठा और निस्वार्थ समर्पण से होता है। 1967 में जब वे गोरखपुर से सांसद निर्वाचित हुए, तो यह केवल चुनावी विजय नहीं, बल्कि जनता के विश्वास का जनघोष था कि गोरक्षपीठ धर्म का ही नहीं, बल्कि जन-सेवा का भी केंद्र है। सांसद रहते हुए भी उन्होंने राजनीति को सत्ता-सुख का साधन नहीं बनने दिया। उनके लिए यह जनकल्याण की साधना और राष्ट्रधर्म की साध्वी अभिव्यक्ति थी। 1969 में जब वे ब्रह्मलीन हुए, तो केवल एक महंत नहीं, बल्कि एक युग, एक यज्ञ और एक यशस्वी परंपरा भी अमर हो गई। आज भी उनका व्यक्तित्व और कृतित्व गोरखपुर, पूर्वांचल समेत पूरे भारत की आत्मा में स्पंदित है। उन्होंने शिक्षा को आंदोलन बनाया, संत समाज को संगठन दिया, राजनीति को राष्ट्रधर्म से जोड़ा और राममंदिर आंदोलन को नींव प्रदान की। वे एक साथ योगी भी थे, योद्धा भी। साधक भी थे, समाज-सुधारक भी। पीठाधीश्वर भी थे और स्वतंत्रता संग्राम के सेनानी भी। महंत दिग्विजयनाथ का जीवन यह सिखाता है कि साधु का संकल्प समाज की दिशा बदल सकता है। स्वाभिमान का सूर्य सत्ता के बादलों से कभी ढक नहीं सकता। शिक्षा, संगठन और संकल्प ही वह त्रिवेणी है जिससे राष्ट्र का उद्धार संभव है। वे केवल गोरखनाथ पीठ के महंत नहीं, बल्कि पूर्वांचल के पथप्रदर्शक, हिंदू समाज के संगठक और राष्ट्रजीवन के आलोकस्तंभ थे। उनकी अमर विरासत आज भी भारत की चेतना को आलोकित करती है। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

वर्ग पहेली 5848

1	2		3	■	■	4	5
6		■	7	8			
9		■	10		■		■
	■	11	■	■		12	13
14	15			■	16		
17			■	18	■	19	
■		■	20		21	■	■
22			■	23			

संकेतः बाएं से दाएं

1. हिंदी महासागर में स्थित इस दो ने 17 अक्टूबर 2009 को पानी के अंदर दुनिया की पहली कैबिनेट बैठक कर सभी राष्ट्रों को ग्लोबल वार्मिंग के खतरे से आगाह करने की कोशिश की (4)
4. ये प्रसिद्ध सूर्यवंशी राजा दशरथ की पिता थे (2)
6. मणि, रत्न, अदद, संख्या (2)
7. नया जमाना, जागरण प्रकाशन का एक अखबार (5)
9. पुत्र, बेटा, सूरज (अंग्रेजी)(2)
10. एक राजनीतिक दल (2)
11. अक्टूबर 1988 का संक्षिप्त नाम (2)
12. घड़ा, गगरा (2)
14. पैरवी करना, वकील होने का भाव (4)
16. गाय का मल यह कहलाता है (3)
17. रमण कराना, अनुरक्त कराना या बनाना (3)
19. हस्तगत करना, ग्रहण करना (2)
20. मैथलीशरण गुप्त की एक प्रसिद्ध कृति (3)
22. यह फिलीपींस देश की राजधानी है (3)
23. दिल्ली की यह इमारत भारत के पांचवे मुगल बादशाह शाहजहां ने बनवाई थी (4)

ऊपर से नीचे

1. पंजाब की सतलुत नदी और असम की ब्रह्मपुत्र नदी इसी झील से निकलती है (6)
2. वे दिन जिनमें विवाह आदि के मुहुर्त निकाले जाते है, तल्लीनता (3)
3. वन में उत्पन्न वस्तु (3)
4. भारत केपूर्व टेस्ट क्रिकेटर (6)
6. इस अभिनेत्री की पहली फिल्म गुड्डी थी (2)
8. मुस्लिम संप्रदाय का एक प्रमुख त्यौहार (2)
11. विस्मरण करना, विस्मृत करना (3)
13. रिक्त स्थान की पूर्ति करना, उड़लेना (3)
15. जयशंकर प्रसाद का प्रबंध काव्य (4)
15. मरीज, बीमार, जिसे रोग लगा हो (2)
18. परिवार हीनता, वेयक्तिकता, निर्जनता (3)
21. पेंदा, नीचे की सतह (2)

वर्ग पहेली 5847 का हल

ह	र	गो	विं	द	खु	रा	ना
रि	■	ल	ट	■	दा	ग	ना
द्वा	रा	■	र	जा	ई	■	ना
र	ज	त	■	या	■	रो	■
■	स्था	प	ना	■	दा	गी	■
सु	न	ना	■	भा	ला	■	अ
जा	■	■	बा	व	न	ग	जा
ता	श	कं	द	■	■	ज	न

मां, तुम पास हो तो मानो सब कुछ है

(ज्ञानेश उपाध्याय)

बच्चों के लिए मां जमीन है, तो पिता आसमान। जमीन अगर गोद की तरह सदा बिछी रहती है, तो आसमान छाया देने के लिए अक्सर उमड़ पड़ता है। उस बच्चे के साथ भी ऐसा ही था, मां हमेशा मौजूद थी, पर पिता की नामौजूदगी में आसमान केवल धूप बरसाया करता था। ऐसा नहीं है कि पिता नहीं थे। पिता थे, पर छाया देने वाले आसमान की तरह नहीं थे। वह जब कोयले की खदान से थके-स्याह लौटते, तो उनके प्रति सहानुभूति उमड़ती थी, लेकिन जब वह करीब आते और नशे में बेहोश दिखते थे, तब सारी सहानुभूति बालमन की कोमल हथेलियों से रेत की तरह सरक जाती थी। पिता की आय का बड़ा हिस्सा नशे में बह जाता था। नशे के चंगुल से बचकर जो चंद पाउंड मां की हथेली तक पहुंचते थे, उनसे ब्रेड-बटर का खर्च चलना भी मुश्किल था।

पिता को ज्यादा अक्षर ज्ञान नहीं था, पर मां कभी शिक्षिका रही थीं। माताओं के साथ अक्सर ऐसा होता है, परिवार की जिम्मेदारियां इतनी ज्यादा हो जाती हैं कि बाहर नौकरी में गैर-जिम्मेदार कहलाने का खतरा बढ़ जाता है। मां ने शिक्षिका की नौकरी छोड़ छोटे-मोटे रोजगार से घर चलाना शुरू किया।

पिता क्या सोचते हैं, यह बच्चे को कभी पता ही नहीं चला, केवल मां की पीड़ा देखते-सुनते बचपन बीत गया। बाकी भाई-बहन भी थे, पर यह बच्चा मां से कुछ ज्यादा जुड़ा था। अक्सर कमजोरी और बीमारियों से घिरा रहता था, लेकिन उसकी हमेशा कोशिश रहती थी कि वह हर मुसीबत में मां की ताकत बन जाए। मां को राहत देने के लिए ही उसने खराब स्वास्थ्य के बावजूद खूब मेहनत से पढ़ाई की और छात्रवृत्ति पाई। मां को राहत देने के लिए ही वह एक फैक्टरी में क्लर्क बन गया, पर निमोनिया ने जब सेहत पर हमला बोला, तब नौकरी छूट गई।

मां की तकलीफों ने ही उसके मन को लगातार तरल बनाए रखा और वह तरलता ही लेखनी के रूप में यदा-कदा बहने लगी। अपने कमजोर शरीर के साथ उसने अभी लिखना शुरू ही किया था कि मां को कैंसर जैसा असाध्य रोग हो गया। मां पर मानो पीड़ा का पहाड़ टूट पड़ा। पर मां यह गौर से देखती थीं कि बेटा क्या लिख रहा है, कैसा लिख रहा है। एक दिन वह बेटे का लिखा हुआ देखते-पढ़ते संसार से विदा हो गईं। वह मां चली गईं, जो अपने इस युवा बेटे के मन को समझती थीं। कमजोरी की वजह से सब उस बेटे का मजाक उड़ाते थे, पर मां हमेशा अपने इस दुख में डूबते बेटे के लिए नाव और पतवार बन जाती थी। ऐसी सशक्त मां चली गईं, अब मैं क्या-कैसे करूंगा, इस विचार ने उस बेटे को चारों ओर से घेर लिया। मां ने जीवन में कोई सुख पूरा न देखा था। हां, मां को यह उम्मीद बंध गई थी कि उनका बेटा एक अच्छा लेखक बनेगा, परिवार के लिए कुछ नाम और दाम कमाएगा, जिससे घर के हालात सुधर जाएंगे। बेटे के पहले उपन्यास की पांडुलिपि थामे वह संसार से चली गई थीं। उन्हें पांडुलिपि पर बेटे का नाम कितना भव्य नजर आ रहा था- डी एच लॉरेंस।

एक मजबूत मां की ऐसी विदाई ने कमजोर बेटे को जीने का मकसद दे दिया। उसने तय कर लिया कि वह लेखक के रूप में जीवन बिताएगा। शायद मां भी यही चाहती थीं कि बेटा लेखक बने। डी एच लॉरेंस ने शिक्षक बनने की भी कोशिश की थी, पर फिर निमोनिया ने हमला बोल दिया था। नौकरी छूट गई थी, पर लेखनी लगातार चल रही थी। मां के जाने के बाद लगातार तीन साल तक एक-एक कर आई बेहतरीन रचनाओं ने पूरे साहित्य जगत को संपन्न बनाया। मां 1910 में गईं, 1911 में द व्हाइट पीकॉक प्रकाशित हुआ। उसके अगले साल द ट्रेसपास और उसके अगले साल सन्स एंड लवर्स उपन्यास आया।

आज का राशिफल

मेष
कार्यक्षेत्र में अगर कोई वाद-विवाद चल रहा था तो अब उसमें आपकी जीत हो सकती है। इससे आपको थोड़ा सुकून महसूस होगा। वहीं, व्यापार के मामले में आपको किसी अनुभवी व्यक्ति सलाह की जरूरत पड़ सकती है, जिससे भविष्य में फायदा मिलने की संभावना है।

वृष
दिन की शुरुआत में आप व्यवसाय से जुड़ी समस्याओं का समाधान निकलने में ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं। इसी के चलते थोड़ा तनाव भी महसूस होगा। अगर किसी प्रतियोगिता में भाग लिया है, तो वहां आपकी जीत हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुन
कार्यक्षेत्र में किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय पर पहुंचने से पहले आसपास के लोगों की भावनाओं का भी ख्याल रखें। ऐसा करने से आपको आत्मसंतोष होगा। साथ ही, आप सही फैसले पर पहुंच पाएंगे।

कर्क
नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर खुद को साबित करने के सुनहरे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। लेकिन आपको इन मौकों को पहचानना होगा और अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करना होगा। ऐसा करने से लाभ प्राप्त हो सकता है।

सिंह
कार्यक्षेत्र में अगर किसी कठिन समस्या का सामना कर रहे हैं, तो अब उसका समाधान हो सकता है, जिससे सुकून महसूस होगा। वहीं, आपको किसी जानकार को कर्ज भी देना पड़ सकता है। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर फैसले लेना जरूरी होगा।

कन्या
आपको कार्यक्षेत्र में एक साथ कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ सकती हैं, जिसके लिए तैयार रहना होगा। बिजनेस के मामले में थोड़ा जोखिम उठाने से आपको अच्छा लाभ प्राप्त हो सकता है। वहीं, व्यापार में किसी कामकाज के सिलसिले में यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

तुला
अगर लंबे समय से आपको किसी का उधार देना था, अब उसे चुकाने में आपको कामयाबी मिल सकता है। आप कुछ जरूरी सामान की खरीदारी करने भी जा सकते हैं। लेकिन अपने बजट पर ध्यान देना जरूरी होगा और आर्थिक मामलों में सोच-समझकर फैसले लें।

वृश्चिक
कामकाज में आप ज्यादा व्यस्त रहने वाले हैं। व्यापार के मामले में कुछ जरूरी कॉल्स और इमेल्स का जवाब देना पड़ सकता है। ऐसे में आप अन्य कार्यों पर थोड़ा कम ध्यान दे पाएंगे। नौकरी करने वालों के लिए दिन सामान्य रहेगा।

धनु
नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर कुछ नए अधिकार प्राप्त हो सकते हैं। आपकी किसी रचनात्मक कार्य में रुचि बढ़ेगी, जिससे तनाव कम करने में भी मदद मिलेगी। शाम के समय किसी जरूरी सामान की खरीदारी भी करने जा सकते हैं। व्यापार के मामले में कामकाज की स्थिति अच्छी बनी रहेगी।

मकर
मकर
व्यापार में आप किसी नए प्रोजेक्ट या काम के चलते ऊर्जा से भरपूर रहेंगे और अपने कार्य में व्यस्त रहेंगे। नौकरी करने वालों का दिन भी अच्छा रहने वाला है और कार्यस्थल पर आपकी सैलरी बढ़ने की बात चल सकती है या प्रमोशन भी मिल सकता है। इसी के चलते मन प्रसन्न रहेगा।

कुंभ
युवा वर्ग किसी नई नौकरी या काम की शुरुआत कर सकते हैं। जिसमें कुछ समय का अनुभव मिलने के बाद आपको सफलता प्राप्त हो सकती है और उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ते जाएंगे। व्यापार के मामले में भी दिन अच्छा रहने वाला है और लाभ कमाने के अवसर मिलेंगे, जिससे तनाव कम होगा।

मीन
कार्यस्थल पर अपने काम में बिजी रहना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। अगर विरोधी आपके खिलाफ कोई बात करते हैं, तो उन्हें इग्नोर करना ज्यादा बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में मेहनत और प्रयास करने से आपको भविष्य में सफलता जरूर प्राप्त होगा।

हिन्द जनपथ
पंचकूला
गुरुवार, 11 सितम्बर 2025

ज़ी ने मप्र पर्यटन बोर्ड के साथ की साझेदारी

ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइज़ेज़ लिमिटेड को मप्र पर्यटन बोर्ड ने इन्फ्लुएंसर एवं सोशल मीडिया मार्केटिंग का ज़िम्मा सौंपा

अभियानों के ज़रिये राज्य पर्यटन को बढ़ावा देने का लक्ष्य

मुंबई, एजेंसी। अग्रणी कंटेंट और टेक्नोलॉजी कंपनी, ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइज़ेज़ लिमिटेड (ज़ी-) को मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड ने इन्फ्लुएंसर एवं सोशल मीडिया मार्केटिंग का ज़िम्मा सौंपा है। यह घोषणा 29-30 अगस्त, 2025 को ग्वालियर और चंबल क्षेत्र के लिए आयोजित दो दिवसीय क्षेत्रीय पर्यटन सम्मेलन के दौरान माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव; माननीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी; तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह, पर्यटन एवं संस्कृति और प्रबंध निदेशक, मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला (आईएएस) और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में की गई। एक साल की ज़िम्मेदारी के तहत, ज़ी अपनी व्यापक डिजिटल विशेषज्ञता और अपनी अग्रणी दिलफ्लुएंसर पहल के साथ इन्फ्लुएंसर आधारित अभियान चलाएगी, जिसका उद्देश्य है, मध्य प्रदेश की समृद्ध विरासत, संस्कृति और पर्यटन को पूरे भारत और उसके बाहर विविध दर्शकों तक पहुंचाना। इन्फ्लुएंसर के नेतृत्व वाले अभियानों के ज़रिये, कंपनी मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड की मौजूदा पहलों का विस्तार करेगी और ग्रामीण पर्यटन, विरासत भ्रमण, सांस्कृतिक उत्सवों तथा वन्यजीव अनुभवों की कहानियों को व्यापक डिजिटल दर्शकों तक पहुंचाएगी।

ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइज़ेज़ लिमिटेड के हिंदी जीईसी और एफटीए जीईसी क्लस्टर के मुख्य बिक्री अधिकारी, श्री अली जैदी ने कंपनी की ओर से यह समझौता स्वीकार किया और इस सहयोग के प्रति अपना उत्साह व्यक्त किया। ज़ी

एंटरटेनमेंट एंटरप्राइज़ेज़ लिमिटेड के हिंदी जीईसी और एफटीए जीईसी क्लस्टर के मुख्य बिक्री अधिकारी, श्री अली जैदी ने इस साझेदारी के बारे में कहा, मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड की ओर यह महत्वपूर्ण दायित्व मिलने पर हम गौरवान्वित हैं। ज़ी में, हम लोगों के साथ जुड़ने वाली आकर्षक कहानियाँ पेश करने में विश्वास करते हैं, और यह साझेदारी हमें इन्फ्लुएंसर आधारित नवोन्मेषी अभियानों के ज़रिये मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करेगी।

जापान की कंपनी बेच रही है कोटक महिंद्रा बैंक का अपना पूरा हिस्सा! 1880 रुपये रेट

नई दिल्ली, एजेंसी। जापान की फाइनेंशियल सर्विसेज देने वाले समूह सुमितोमो मित्सुई कोटक महिंद्रा बैंक की अपनी पूरी हिस्सेदारी बेचने जा रहे हैं। सीएनबीसी टीवी18 की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। इस बैंक में सुमितोमो मित्सुई की कुल हिस्सेदारी 1.65 प्रतिशत है। इस बिक्री के लिए 1880 रुपये का फ्लोर प्राइस तय किया गया है। मंगलवार को बाजार के बंद होने के समय पर बीएसई में कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर 1959.65 रुपये के लेवल पर बंद हुए थे।

फिजिक्सवाला लिमिटेड ने आईपीओ के माध्यम से 3,820 करोड़ जुटाने दाखिल किया यूडीआरएचपी-आई

मुंबई, एजेंसी। फिजिक्सवाला लिमिटेड (कंपनी), एक शिक्षा कंपनी जो भारत में छात्र समुदाय के मामले में सबसे बड़ी है और राजस्व के मामले में शीर्ष 5 शिक्षा कंपनियों में से एक है, ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश के लिए सेबी के पास अपना यूडीआरएचपी-आई दाखिल किया है। 15 जुलाई, 2025 तक उसके मुख्य यूट्यूब चैनल, फिजिक्सवाला-अलख पांडे के लगभग 13.7 मिलियन सब्सक्राइबर थे (रेडसीर रिपोर्ट के अनुसार)। कुल पेशकश में 31,000.00 मिलियन रुपये (3,100 करोड़ रुपये) तक के इक्विटी शेयर का एक नया इश्यू और 1 रुपया प्रति इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य के 7200 मिलियन रुपये (720 करोड़ रुपये) तक के इक्विटी शेयर की बिक्री का प्रस्ताव शामिल है। भुगतान के लिए व्यय, अपनी सहायक कंपनी, जाइलम लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड में व्यय के लिए निवेश, जिसके तहत (1) जाइलम के नए ऑफलाइन केंद्रों के फिट-आउट के लिए पूंजीगत व्यय (न्यू जाइलम सेंटर्स), (2) जाइलम के मौजूदा पहचाने गए ऑफलाइन केंद्रों और हॉस्टल के लिए पट्टे का भुगतान, अपनी सहायक कंपनी, उत्कर्ष क्लासेस एंड एडुटेक प्राइवेट लिमिटेड में निवेश, जिसके तहत उत्कर्ष क्लासेस के मौजूदा पहचाने गए ऑफलाइन केंद्रों के लिए पट्टे का भुगतान, सर्वर और क्लाउड संबंधी बुनियादी ढाँचे की लागत के लिए व्यय, विपणन पहलों के लिए व्यय, अपनी सहायक कंपनी, उत्कर्ष क्लासेस एंड एडुटेक प्राइवेट लिमिटेड में अतिरिक्त शेयरधारिता का अधिग्रहण, और (अज्ञात अधिग्रहणों और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के माध्यम से अकार्बनिक विकास को वित्तपोषित करना है।

जेके मैक्स पेंट्स ने लॉन्च किया नया कैंपेन 'घर आने के बहाने'- खुशियों

नई दिल्ली। जेके मैक्स पेंट्स लेकर आए हैं, अपना नया कैंपेन 'घर आने के बहाने'। जीवन से जुड़ा हास्य से भरपूर यह कैंपेन दर्शाता है कि किस तरह रंगीन दीवारें न सिर्फ घरों को खूबसूरत बनाती हैं बल्कि खुशियों, बातचीत और कनेक्शन्स का केन्द्र भी बन जाती हैं। कैंपेन की फिल्म में जिमी शेरगिल और मिनिशा लांबा तकरीबन दो दशकों के बाद पर्दे पर एक साथ नज़र आ रहे हैं। जिमी, समझदार और मिलनसार, घर के मालिक शर्मा जी की भूमिका में हैं, वहीं मिनिशा उनकी पत्नी के किरदार में दिखाई देती हैं। उनका नया-नया पेंट हुआ घर पड़ोसियों के लिए आकर्षण केन्द्र बना हुआ है। कभी इन्फ्लुएंसर्स उनके घर की रंगीन दीवारों के साथ रील्स बनाने के लिए आ जाते हैं, तो कभी पड़ोस की आंटियां बिन बुलाए अचानक घर आ जाती हैं।

सिद्धांत चतुर्वेदी और मैक्स फैशन के

आइकॉनिक डेब्यू ने इंटरनेट पर मचाया धमाल

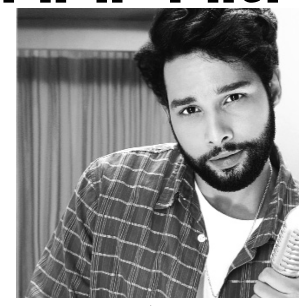

भोपाल, एजेंसी। भारत के प्रमुख बहुराष्ट्रीय फैशन ब्रांड्स में से एक मैक्स फैशन ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, एक्टर और कल्चरल ट्रेंडसेटर सिद्धांत चतुर्वेदी को अपना पहला पुरुष ब्रांड एंबेसडर बनाने की घोषणा की है। नए कैंपेन हाउ न्यू इज़ योर न्यू का चेहरा बने सिद्धांत चतुर्वेदी अपनी सहज स्टाइल और उस पीढ़ी से जुड़ने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं, जो व्यक्तिगत पहचान और सांस्कृतिक उत्कृष्टता दोनों को महत्व देती है। सिद्धांत बिल्कुल उसी ऊर्जा और अंदाज़ का प्रतीक हैं, जिसके लिए मैक्स जाना जाता है। यह सहयोग सिर्फ एक मौसमी कैंपेन नहीं है, बल्कि यह एक मजबूत इरादे का बयान है। मैक्स हर हफ्ते नए स्टाइल के साथ लाखों लोगों तक फैशन की प्रेरणा पहुंचाता है, जो लगातार बदलते ट्रेंड्स और विकसित होती व्यक्तिगत स्टाइल के साथ तालमेल बनाए रखती हैं।

सिद्धांत की व्यापक लोकप्रियता और जेन ज़ी से जुड़ाव से परे, वे एक ऐसा अंदाज़ लेकर आते हैं जो उन भारतीय युवाओं से मेल खाता है जो म्यूजिक, मूवमेंट और स्टाइल के संगम पर जीते हैं। कल्कि कोचलिन, अलाया एफ और अब सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ, ब्रांड ने एक ऐसी तिकड़ी तैयार की है।

सैमसंग ने न्यूरोलॉजिका के साथ मिलकर भारत में लॉन्च किया

अगली पीढ़ी का मोबाइल सीटी पोर्टफोलियो

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपनी सहायक कंपनी न्यूरोलॉजिका, जोकि आधुनिक मेडिकल इमेजिंग तकनीकों में वैश्विक अग्रणी है, के सहयोग से भारत में अपने नेक्स्ट-जनरेशन मोबाइल सीटी प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को लॉन्च किया है। भारत में डायग्नोस्टिक और इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए ये नए सिस्टम न केवल आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाए जा सकते हैं, बल्कि एआई -सक्षम तेज़ और सटीक इमेजिंग प्रदान करते हैं और रोगी-केंद्रित डिज़ाइन के साथ स्वास्थ्य सेवाओं को और भी सुविधाजनक बनाते हैं। यह पोर्टफोलियो स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को कभी भी, कहीं भी उच्च गुणवत्ता वाली देखभाल देने में सक्षम बनाता है।

नई पेश की गई रेंज में सेरेटॉम0 एलिट, ओमनीटॉम0 एलिट, ओमनीटॉम0 एलिट पीसीडी, और बॉडीटॉम0 32/64 शामिल हैं। इन सभी को अस्पतालों और विशेष केंद्रों की अलग-अलग तरह की डायग्नोस्टिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। सैमसंग की कोशिश है कि सभी आकार के अस्पतालों, विशेष रूप से कम सेवा वाले क्षेत्रों में इन्हें अपनाया जाए। इस

तरह, कंपनी भारत में उन्नत इमेजिंग तक सबकी पहुंच बनाने के लिए तैयार है।

अतंत्र दास गुप्ता, सैमसंग इंडिया के एचएमई बिजनेस हेड ने कहा, सैमसंग भारत में मोबाइल सीटी समाधानों के साथ चिकित्सा इमेजिंग को और आसान, तेज, और रोगी-केंद्रित बना रहा है। ये नई तकनीकें न केवल तकनीक को बेहतर बनाती हैं, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं को बड़े शहरों और छोटे शहरों के बीच के अंतर को कम करने में भी मदद करती हैं। हमें यकीन है कि यह पोर्टफोलियो भारत के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करेगा, विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर निदान को बढ़ावा देगा, और मरीजों के लिए बड़े पैमाने पर बेहतर परिणाम देगा।

जीएसटी बदलाव पर बीमा कंपनियों की सरकार से बातचीत

नई दिल्ली, एजेंसी। निवेशक बीमा कंपनियों के शेयरों, जैसे भारतीय जीवन बीमा निगम , एसबीआई लाइफ, एचडीएफसी लाइफ और आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल पर कड़ी नजर है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि कई बीमा कंपनियों के सीईओ आज वित्त मंत्रालय के अधिकारियों से मिलने वाले हैं। वे हाल में हुए जीएसटी दरों में बदलाव से जुड़ी अपनी मांगों और चिंताओं पर चर्चा करेंगे। इस बीच एलआईसी के शेयर 11 बजे के करीब 0.29 पर्सेंट ऊपर 877 रुपये पर ट्रेड कर रहे थे। एचडीएफसी लाइफ में 1.41 पर्सेंट की तेजी थी और यह 771.65 रुपये पर था। एसबीआई लाइफ की बात करें तो यह भी 1.39 पर्सेंट की तेजी के साथ 1830.80 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल करीब 1 फीसद ऊपर 603.75 रुपये पर था।

क्यूपिड लि. ने मन्सम, एक सऊदी अरब की लक्ज़री फ्रेंग्रेंस ब्रांड में निवेश की घोषणा की

मुंबई, एजेंसी। क्यूपिड लिमिटेड, (बीएसई - 530843, एनएसई-क्यूपिड),- क्यूपिड लिमिटेड ने फ्रेग्रेंस ब्रांड मन्सम में रणनीतिक हिस्सेदारी प्राप्त करने के लिए एक टर्म शीट पर हस्ताक्षर किए हैं। यह निवेश जीआईआई इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट लिमिटेड द्वारा प्रबंधित फंड संरचना के माध्यम से किया गया है। यह निवेश क्यूपिड लिमिटेड के अंतरराष्ट्रीय विस्तार की योजना को और मजबूत करता है, साथ ही नए उपभोक्ता-संचालित विकास के अवसरों का लाभ उठाने में मदद करता है। यह क्यूपिड के स्वास्थ्य-केंद्रित उद्यम से एक विविधीकृत वैश्विक ब्रांड में रूपांतर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक में उभरती जीवनशैली और लक्ज़री उपभोग की प्रवृत्तियों के अनुरूप है। साल 2022 में स्थापित, मन्सम ने जल्दी ही सऊदी अरब की एक लक्ज़री फ्रेग्रेंस ब्रांड के रूप में अपनी पहचान बनाई है, जो असली अरबी विरासत को वैश्विक परिष्कार के साथ जोड़ने के साहसी विज़न पर आधारित है। एक प्रीमियम फ्रेग्रेंस हाउस के रूप में स्थापित, मन्सम क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों को अपनी पोर्टफोलियो के माध्यम से आकर्षित करना चाहता है, जो अरबी संस्कृति, विरासत और शिल्प कौशल का जश्न मनाता है, साथ ही लक्ज़री के वैश्विक मानकों को भी पूरा करता है। वैश्विक इत्र उद्योग, जिसकी कीमत 60 अरब डॉलर से अधिक है, प्रीमियम और विशेष उत्पादों की बढ़ती मांग से प्रेरित निरंतर वृद्धि देख रहा है। इसी में, सऊदी अरब के इत्र बाजार का मूल्य 6.2 अरब डॉलर है, जिसमें लक्ज़री इत्रों का योगदान 2 अरब डॉलर से अधिक है। हालांकि इस क्षेत्र में लक्ज़री इत्रों का दबदबा है, लेकिन दुकानों की अलमारियाँ अधिकांशतः विदेशी ब्रांड्स से भरी हुई हैं, जिससे असली अरबी लक्ज़री इत्रों के लिए एक आकर्षक अवसर पैदा होता है। मन्समरणनीतिक रूप से इस कमी को पूरा करने के लिए स्थित है, जो ऐसे उत्पाद पेश करता है जो स्थानीय पसंद के साथ मेल खाते हैं और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों को भी आकर्षित करते हैं।

हर्बालाइफ इंडिया को बिगबॉक्स इंडिया 2025 में

सस्टेनेबल सप्लाई चेन अवार्ड से सम्मानित किया

मुंबई, एजेंसी। प्रमुख स्वास्थ्य और वेलनेस कंपनी, समुदाय और मंच, हर्बालाइफ इंडिया ने बिगबॉक्स इंडिया 2025 में प्रतिष्ठा वाले सस्टेनेबल सप्लाई चेन अवार्ड से सम्मानित किये जाने की घोषणा की है। कंपनी अपनी इस मान्यता की सूचना सगर्व सार्वजनिक करती है। इस शिखर सम्मेलन में ई-कॉमर्स और रीटेल क्षेत्र के भारत के सबसे नवोन्मेषी लोग नए रुझानों पर चर्चा करने और यह तय करने के लिए एकजुट हुए हैं कि डिजिटल युग में उपभोक्ता ब्रांड के साथ कैसे चर्चा करेंगे।

यह मान्यता आपूर्ति श्रृंखला उत्कृष्टता और पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी के प्रति हर्बालाइफ इंडिया की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। मंच की स्वीकृति कंपनी के उभरते बाजार परिदृश्य के अनुरूप स्थायी प्रथाओं को शामिल करने पर निरंतर ध्यान केंद्रित करती है।

हर्बालाइफ इंडिया के प्रबंध निदेशक अजय खन्ना ने कहा, इतने प्रतिष्ठित मंच पर यह मान्यता प्राप्त करके हम वास्तव में सम्मानित हुए हैं।

उन्होंने कहा, यह पुरस्कार हमारे परिचालन के हर चरण में - ज़िम्मेदार सोर्सिंग से लेकर उत्पाद वितरण तक - स्थिरता को शामिल करने के हमारे अटूट प्रयासों का प्रमाण है। उन्होंने आगे कहा, यह नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और लोगों व समुदायों के लिए एक स्वस्थ, अधिक टिकाऊ दुनिया बनाने के हमारे दृष्टिकोण को भी पुष्ट करता है।

बिगबॉक्स इंडिया 2025 शिखर सम्मेलन में भारत के खुदरा और ई-कॉमर्स क्षेत्र के अग्रणी लोग, नवप्रवर्तक और परिवर्तन लाने वाले एकजुट हुए ताकि भारत के गतिशील बाज़ार के भविष्य का पता लगाया जा सके।

लाइट्स, कैमरा, डेकॉरः रॉयल ग्लिट्ज़ के साथ अल्टीमेट होम मेकओवर फिल्म में नज़र आएंगी दीपिका

मुंबई, एजेंसी। भारत में डेकॉर ट्रेंड स्थापित करने वाली प्रमुख कंपनी, एशियन पेंट्स, अपने लग्ज़री ब्रांड रॉयल ग्लिट्ज़ को प्रीमियम वॉल फ़िनिश से अब एक संपूर्ण होम डेकॉर के तौर पर उभार रही है। यह जर्नी जीवंत हो उठती है जब ब्रांड एंबेसडर दीपिका पादुकोण एक नए विज्ञापन में नज़र आती हैं और इसी के साथ वह पर्दे पर अपनी वापसी भी कर रही हैं, जिसका लोग लंबे अरसे से इंतज़ार कर रहे थे । यह अभियान उन सामान्य पेंट की श्रेणियों से कहीं आगे है, जहां आमतौर पर शेड्स और फ़िनिश पर ही ध्यान केंद्रित होता है। यह रॉयल ग्लिट्ज़ को केवल एक लग्ज़री पेंट से कहीं बढ़कर स्थापित करता है - जहां यह हर डिज़ाइन स्टोरी का स्टार्टिंग पॉइंट बन जाता है। इस विज्ञापन फ़िल्म के केंद्र में अभिनेत्री दीपिका पादुकोण हैं। जैसे-जैसे वह रॉयल ग्लिट्ज़ के रंगों और टेक्सचर के साथ

जुड़ती हैं, दीवारें जीवंत हो उठती हैं, वो भी सिर्फ़ एक सतह के रूप में नहीं, बल्कि ऐसा लगता है वो बोल उठी हों और उनके पर्सनल स्टाइल को अभिव्यक्त कर रही हों। वह रॉयल ग्लिट्ज़ फ़िनिश के साथ प्रयोग करती हैं, जो न सिर्फ़ उनकी दीवारों को बदल देता है बल्कि उनके पूरे लिविंग स्पेस को पूरी तरह से बदलने के लिए प्रेरित करता है। यह अभियान दिखाता है कि कैसे दीवार की फ़िनिश सभी तरह के डिज़ाइन विकल्पों को प्रभावित कर सकती है। फिल्म की एक प्रमुख विशेषता ग्लिट्ज़ अप योर स्व्रद्गष्४ह्न गाइडबुक है - यह एक ऐसा आसान और प्रेरणादायक टूल है, जो लोगों को अपने घरों को सजाने के नए तरीकों की कल्पना करने में मदद करता है। फिल्म का हर कमरा और दीवार दर्शाती है कि किस तरह से शानदार वॉल डिज़ाइन पूरे स्थान को बदल सकता है। यह गाइडबुक होम डेकॉर में एशियन पेंट्स के प्रभुत्व की पुष्टि करती है, इसमें क्यूआर कोड्स हैं जो डेमो वीडियो और आसान, प्रेरणा देनेवाले आइडियाज़ से जुड़े हैं, जिससे प्रीमियम डिज़ाइन सभी के लिए आसान भी बनेंगे और हर कोई इन डिज़ाइन्स को अपनाना चाहेगा. एशियन पेंट्स के एमडी और सीईओ अमित सिंगल ने कहा, रॉयल ग्लिट्ज़ के साथ हम इस बात को नए तरीके से परिभाषित करेंगे कि भारतीय घरों के लिए लग्ज़री का अर्थ क्या है।

फोनपे ने लॉन्च किया डिजिटल-फर्स्ट उद्यम असिस्ट रजिस्ट्रेशन

दिल्ली, एजेंसी। फोनपे ने दिल्ली के एक इवेंट में उद्यम असिस्ट प्रोग्राम के माध्यम से डिजिटल-फर्स्ट उद्यम रजिस्ट्रेशन की घोषणा की। इस कार्यक्रम की शोभा माननीय केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री, श्री जीतन राम मांझी ने बढ़ाई। उनके साथ भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक की चीफ़ जनरल मैनेजर श्रीमती वाई.एम. कुमारी भी उपस्थित रहीं। । इस लॉन्च के साथ ही फोनपे पहली फिनटेक कंपनी बन गई है जो अपने मर्चेंट्स को सीधे तौर पर एंड-टू-एंड डिजिटल समाधान उपलब्ध कराती है, जो अधिकांश अन्य प्लेटफ़ॉर्म द्वारा अपनाई गई पारंपरिक उद्यम सर्टिफिकेट जारी करने की प्रक्रिया से बिल्कुल अलग है। इस पहल के तहत असंगठित माइक्रो मर्चेंट्स को औपचारिक पहचान मिलेगी, जिससे उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ, टैक्स में छूट, बिज़नेस अकाउंट की खोलने की सुविधा और डिजिटल पेमेंट व वित्तीय सेवाओं तक सीधी पहुँच मिलेगी। लॉन्च इवेंट के दौरान, इस नई डिजिटल प्रक्रिया के माध्यम से व्यापारियों को उद्यम असिस्ट सर्टिफिकेट जारी किए गए।

सिंजेंटा का स्टेम फ्लाई अभियान

मध्यप्रदेश के 400 गाँवों में सोयाबीन किसानों को मिला लाभ

भोपाल, एजेंसी। सोयाबीन उत्पादन को प्रभावित करने वाले तने की मक्खी (स्टेम फ्लाई) के प्रकोप के खतरे के बीच, मध्य प्रदेश में चलाए गए एक माह लंबे जागरूकता अभियान ने 400 गाँवों के 4,000 से अधिक किसानों को इस विनाशकारी कीट से अपनी फसल को बचाने के व्यावहारिक उपायों से सुसज्जित किया है।

यह अभियानसिंजेंटा इंडियानेइंटरनेशनल रिसोर्सेज फॉर फेयरर ट्रेड के साथ मिलकर चलाया। इसमें इंदौर, उज्जैन और देवास ज़िलों के सोयाबीन किसानों को स्टेम फ्लाई की पहचान और उससे बचाव के प्रभावी उपाय सिखाए गए। ये प्रशिक्षण कृषि विभाग और कृषि विज्ञान केंद्र की सलाह से चुने गए विशेषज्ञों ने दिए।

मध्यप्रदेश भारत के लगभग 50त्न सोयाबीन उत्पादन का केंद्र है, जहाँ करीब 5.47 मिलियन टन उत्पादन होता है। कृषि अनुसंधानों के अनुसार, सोयाबीन स्टेम फ्लाई का प्रकोप 30त्न से 50त्न तक पैदावार घटा सकता है। यह कीट फसल की शुरुआती अवस्था में तनों को खोखला कर देता है, जिससे पौधे मुरझा जाते हैं, उनकी बढ़त रुक जाती है और कई बार पूरी फसल नष्ट हो जाती है। इस खतरे पर बोलते हुएडॉ. आर. पी. शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक और प्रमुख, केवीके देवास ने समय पर रोकथाम की अहमियत पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा, स्टेम फ्लाई एक बड़ी चुनौती है जो अगर नियंत्रण में न लाई जाए तो किसानों की आय पर सीधा असर डाल सकती है।

ग्रो म्यूचुअल फंड ने पेश किया मल्टी एसेट एलोकेशन फंड

बेंगलुरु, एजेंसी। ग्रो म्यूचुअल फंड ने ग्रो मल्टी एसेट एलोकेशन फंड के लॉन्च की घोषणा की, जो एक ओपन-एंडेड योजना है और वह इक्विटी, डेट (ऋण), सोना, चांदी आदि में निवेश करती है। न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) 10 सितंबर, 2025 से 24 सितंबर, 2025 तक खुला रहेगा। यह योजना निवेशकों को विविध आवंटन ढांचा प्रदान करने का प्रयास करती है जो पोर्टफोलियो की अस्थिरता को कम करने और बदलती बाज़ार परिस्थितियों के साथ तालमेल बिठाने के लिए कई एसेट क्लास को जोड़ती है। मल्टी एसेट निवेश का आधार यह है कि विभिन्न परिसंपत्ति वर्ग (एसेट क्लास) की स्थिति बाज़ार में अलग-अलग परिस्थितियों में अलग होती है। इक्विटी को आर्थिक विकास और कॉर्पोरेट आय विस्तार से लाभ होता है। डेट के परिणाम ब्याज दर के रुझानों और मुद्रास्फीति चक्रों से प्रभावित होते हैं। दूसरी ओर, सोना और चांदी अक्सर अनिश्चितता, वैश्विक जोखिम की घटनाओं या मुद्रा में उतार-चढ़ाव के प्रति प्रतिक्रिया करते हैं। ये कारक पूरी तरह से एक-दूसरे से जुड़े नहीं होते, इसलिए कोई भी एक परिसंपत्ति वर्ग हर समय अच्छा प्रदर्शन नहीं करता। आंकड़ों के मुताबिक बाज़ार में परिस्थितियां बदलती रहती हैं - कुछ साल के दौरान इक्विटी का बेहतर प्रदर्शन बेहतर हो सकता है, तो कुछ साल के लिए ऋण, और कुछ साल के दौरान कमोडिटी में निवेश का परिणाम अच्छा होता है।

एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने

सिंगापुर स्थित टॉप 2 प्राइवेट लिमिटेड के साथ एमओयू किया

मुंबई, एजेंसी। एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड जो एलइडी वीडियो डिस्प्ले के डिजाइन, विकास और विनिर्माण में वैश्विक अग्रणी है, ने घोषणा की है कि उसने सिंगापुर आधारित टॉप2 प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। इस सहयोग का उद्देश्य ताइवान से एक सेमीकंडक्टर पार्टनर की पहचान और अंतिम चयन करना है।

इस समझौते के तहत एमआईसी कंपनी टॉप2 के साथ मिलकर ताइवान में सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन पार्टनर खोजने और सुनिश्चित करने की दिशा में काम करेगी। इसका लक्ष्य मासिक 25,000 से 30,000 वेफर्स के उत्पादन की शुरुआत करना है, जो व्यवहार्यता, वार्ता और नियामकीय मंजूरी पर आधारित होगा।

इससे पूर्व, कंपनी के निदेशक मंडल ने सिंगापुर स्थित उच्च-विकास और नवाचार-आधारित कंपनी नियो सेमी एसजी प्राइवेट लिमिटेड (एनएसपीएल) में इक्विटी हिस्सेदारी अधिग्रहण की खोज हेतु सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की थी। यह रणनीतिक कदम कंपनी के लिए नेक्स्ट-जेनरेशन तकनीकों और संबंधित क्षेत्रों में प्रवेश को दर्शाता है। एनएसपीएल ने सिलिकॉन वैली (अमेरिका) स्थित एक सेमीकंडक्टर चिप डिजाइन और फैबलैस कंपनी के साथ समझौते के माध्यम से एक अद्वितीय और भविष्य उन्मुख इकोसिस्टम बनाया है। यह कंपनी उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आईओटी अनुप्रयोगों के लिए अत्याधुनिक सिलिकॉन समाधान विकसित कर रही है। इसके अतिरिक्त, एनएसपीएल ऊर्जा प्रबंधन क्षेत्र में भी सक्रिय है और आईओटी -आधारित समाधान प्रदान करती है, जिनका फोकस जलवायु लचीलापन, ऊर्जा दक्षता और स्मार्ट ग्रिड आधुनिकीकरण पर है। कंपनी द्वारा प्रस्तावित यह अधिग्रहण, एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स की दीर्घकालिक रणनीति के अनुरूप है, जिसके तहत वह उच्च-तकनीकी क्षेत्रों में विविधीकरण करना चाहती है।

जॉब इंटरव्यू से पहले ये होमवर्क करना न भूलें

जब आप किसी जॉब इंटरव्यू के लिए जाते हैं, तो इसके लिए होमवर्क करना बेहद जरूरी है, क्योंकि एक अच्छा होमवर्क आपके भीतर कॉन्फिडेंस पैदा करता है और आप सफलता हासिल करते हैं।

फर्स्ट इम्प्रेशन

इंटरव्यू के लिए फर्स्ट इम्प्रेशन बहुत मायने रखता है। इसलिए ऐसे कपड़ों का चयन करें जिसमें आप ज्यादा स्मार्ट दिखते हों। इससे लोगों का ध्यान आपकी ओर जाएगा। यह भी ध्यान रखें कि उस कपड़े में आप खुद को कंफर्ट महसूस करें। आपके कपड़े का कलर सौम्य और प्रभावशाली हो। इसके लिए आप काला, सफेद, ग्रे लाइट या डार्क शेड के अलावा भूरा, ब्लू और मटमैले कलर के कपड़ों का कॉम्बिनेशन पहन सकते हैं।

स्ट्रांग परफ्यूम न लगाएं

पुरुषों के लिए यह जरूरी है कि वे क्लीन शेव हों। किसी वजह से ऐसा नहीं कर सकते, तो दाढ़ी ट्रिम होनी चाहिए, बालों को स्टाइलिश रखें। वह महिलाओं के लए जरूरी है कि वे लाइट मेकअप करें। बाल बंधे हों तो ज्यादा अच्छा है। एक बात का ध्यान दें कि लंबे नाखून पुरुष और महला दोनों के ही नहीं होने चाहिए। यदि परफ्यूम है तो वह स्ट्रांग नहीं होना चाहिए, आपके जूते अच्छी हालत में होने चाहिए, जूते आवाज न करें।

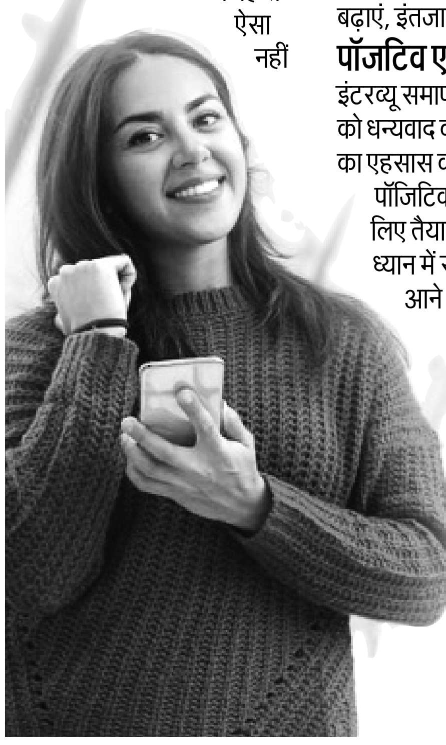

बाएं हाथ में रखें फाइल

मीटिंग या इंटरव्यू में हमेशा समय से पहले पहुंचें और फ्रंट ऑफिस को अपने आने का कारण बताएं। जब तक आपको अंदर न बुलाया जाए, शांति से अपनी जगह पर बैठे रहें। बुलाने पर तेजी से कदम बढ़ाते हुए जाएं, अपने बैग या फाइल को ठीक तरीके से हैंडल करें। इसे बांए हाथ में पकड़ना अच्छा होगा क्योंकि दाहिने से शेक हैंड्स करना होता है। अपनी बॉडी लैंग्वेज को सही रखें।

हाथ मिलाना बाध्यता नहीं

यह जरूरी होता है कि आप सामने वाले से हाथ मिलाएं, लेकिन इसे बाध्यता नहीं समझना चाहिए, टेबल के ऊपर हाथ न रखें। अगर आप पुरुष हैं और महिला से मुलाकात हो रही है, तो आप खुद हाथ आगे न बढ़ाएं, इंतजार करें।

पॉजटिव एहसास कराएं

इंटरव्यू समाप्त होने पर सामने वाले को धन्यवाद कहें और उसे इस बात का एहसास करवाएं कि आप पॉजिटिव रिस्पांस सुनने के लिए तैयार हैं। जाते वक्त यह ध्यान में रखें कि आपके अंदर आने के दौरान गेट खुला था या बंद, गेट जिस अवस्था में था, उसी अवस्था में करके ही बाहर निकलें।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ाई का मौका देती है ये स्कॉलरशिप

विदेश में पढ़ाई करना बेहद ही खर्चीला होता है, जिसकी वजह से हर कोई वहां पढ़ाई नहीं कर सकता है। इसलिए स्कॉलरशिप ही एकमात्र वो जरिया होती हैं, जिनके जरिए आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए भी विदेश में पढ़ने का रास्ता खुलता है।

दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटीज की जब भी बात होती है तो हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का जिक्र जरूर होता है। अमेरिका के मैसाचुसेट्स में मौजूद ये यूनिवर्सिटी अपने कोर्सेज के लिए दुनियाभर में फेमस है। हर साल बड़ी संख्या में छात्र यहां पढ़ने के लिए अप्लाई करते हैं, लेकिन सिर्फ चुनिंदा लोगों को ही दाखिला मिल पाता है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की फीस भी बहुत ज्यादा है। अगर भारतीय रुपये में बात करें तो यहां की फीस लाखों में है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में औसतन फीस 83 हजार डॉलर (लगभग 68 लाख रुपये) है। यही वजह है कि यहां ज्यादातर वही लोग पढ़ पाते हैं, जिनके पास अच्छा खासा पैसा है। हालांकि, इसका मतलब ये बिल्कुल भी नहीं है कि आम आदमी यहां पढ़ाई नहीं कर सकता है। हार्वर्ड उन्हें भी एक समान मौका देता है। यूनिवर्सिटी में कई सारी स्कॉलरशिप का भी ऑप्शन है, जो यहां पढ़ने के लिए दी जाती हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में भारतीय छात्रों को कौन सी स्कॉलरशिप मिलती हैं।

बौस्टनी एमबीए हार्वर्ड स्कॉलरशिप

अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ने के लिए ये स्कॉलरशिप उन छात्रों को दी जाती है, जिनका पढ़ाई का बैकग्राउंड काफी ज्यादा मजबूत है। हार्वर्ड एमबीए प्रोग्राम में एडमिशन होने के बाद ही छात्र इस स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई कर सकते हैं। जिन छात्रों को शॉर्टलिस्ट किया जाएगा, उन्हें इंटरव्यू देना होगा। इस स्कॉलरशिप के तहत छात्रों की 75 फीसदी ट्यूशन फीस कवर हो जाती है। इसके जरिए रहने और यात्रा का भी खर्च कवर होता है।

होरेस डब्ल्यू गोल्डस्मिथ फेलोशिप

इस स्कॉलरशिप के लिए छात्र का बैचलर डिग्री पूरा किया होना जरूरी है। उसके पास वर्क एक्सपीरियंस भी होना चाहिए। उम्मीदवार ने अगर किसी नॉन प्रॉफिट संस्था में फुल–टाइम लीडरशिप की भूमिका में काम किया होगा तो उसे स्कॉलरशिप के लिए एलिजिबिल माना जाएगा। शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों का इंटरव्यू होता है। हार्वर्ड में एमबीए की पढ़ाई कर रहे फर्स्ट ईयर के 7 से 10 छात्रों को 10 हजार डॉलर स्कॉलरशिप के तौर पर मिलते हैं। एमबीए के लिए अप्लाई करते समय ही उम्मीदवार की फाइल स्कॉलरशिप के लिए पहुंच जाती है। फिर उसकी क्वालिफिकेशन के आधार पर स्कॉलरशिप मिलती है।

रॉबर्ट एस. कपलान (एमबीए 1983) लाइफ साइंसेज फेलोशिप

हार्वर्ड में पढ़ने के लिए इस स्कॉलरशिप को उन्हीं उम्मीदवारों को दिया जाता है, जिन्होंने बैचलर डिग्री पूरी की है। उनके काम वर्क एक्सपीरियंस है और साथ ही साथ लाइफ साइंसेज क्षेत्र में बेहतरीन योग्यता है। शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों का इंटरव्यू लिया जाता है। एमबीए के लिए अप्लाई करते समय उम्मीदवार के नाम पर स्वत : ही स्कॉलरशिप के लिए विचार किया जाता है। ये स्कॉलरशिप 10 एमबीए स्टूडेंट्स को मिलती हैं। दो साल में 20 हजार डॉलर छात्र को स्कॉलरशिप के तौर पर मिलते हैं।

आगा खान स्कॉलरशिप

अगर किसी स्टूडेंटस की पढ़ाई का बेहतरीन इतिहास रहा है, तो वह इस स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई कर सकता है। ये स्कॉलरशिप विकासशील देशों के उन छात्रों को प्रदान की जाती है, जिन्हें वास्तव में पढ़ाई के लिए वित्तीय सहायता की जरूरत होती है। इस स्कॉलरशिप को पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई के लिए दिया जाता है। अगर किसी छात्र के पास प्रोफेशनल एक्सपीरियंस है। साथ ही वह विविधि गतिविधियों में भाग लेता रहा है तो उसे स्कॉलरशिप के लिए योग्य माना जाएगा। ये स्कॉलरशिप मास्टर स्तर के कोर्सेज की पूरी अवधि के लिए प्रदान की जाती है और पीएचडी छात्रों को इसे केवल पहले दो वर्षों के लिए दिया जाता है। इसके लिए आगा खान फाउंडेशन की वेबसाइट पर अप्लाई करना होता है।

पसंदीदा जॉब पाने के लिए बनाएं दमदार रिज्यूमे, सिलेक्शन होगा पक्का

जॉब पाने से लेकर इंटरव्यू तक पहुंचने के सफर में रिज्यूमे आपकी काफी मदद करता है। जॉब और इंटरव्यू के लिए सभी को एक बेहतर और प्रोफेशनल रिज्यूमे की दरकार होती है। आइए जानते हैं आप बेहतरीन रिज्यूमे कैसे बना सकते हैं।

अगर आप भी अपनी पसंदीदा जॉब पाना चाहते हैं, तो इसमें रिज्यूमे बहुत अहम भूमिका निभाती है। जितना आपका रिज्यूमे शानदार होगा, उतना ही आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। जॉब पाने से लेकर इंटरव्यू तक पहुंचने के सफर में रिज्यूमे आपकी काफी मदद करता है। जॉब और इंटरव्यू के लिए सभी को एक बेहतर और प्रोफेशनल रिज्यूमे की दरकार होती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप एक बेहतरीन रिज्यूमे कैसे बना सकते हैं।

खुद से बनाएं रिज्यूमे

अधिकतर देखने को मिलता है कि ज्यादातर लोग रिज्यूमे बनवाने के लिए साइबर कैफे या ग्राफिक डिजाइनर के भरोसे रहते हैं। लेकिन बता दें कि आप स्मार्ट वर्क के तहत खुद भी घर बैठे अपना रिज्यूमे बनाकर तैयार कर सकते हैं। रिज्यूमे बनाने के लिए आपके पास स्मार्टफोन या लैपटॉप होना जरूरी है। इससे आप शानदार रिज्यूमे बनाकर तैयार कर सकती हैं। इससे आपका समय और पैसे दोनों बचेंगे।

कैसे बनाएं रिज्यूमे

बता दें कि अधिकतर लोग सोचते हैं कि अच्छा रिज्यूमे बनाने के लिए क्या टिप्स फॉलो करना चाहिए। लेकिन अब गूगल और इंटरनेट ने इस काम को बेहद आसान कर दिया है। अगर आप गूगल पर जाकर रिज्यूमे सर्च करते हैं, तो आपके सामने ऐसी तमाम वेबसाइट आ जाएंगी। जिनमें रिज्यूमे बनाने की विधि और उसके लेटेस्ट फॉर्मेट आ जाएंगे। सबसे पहले रिज्यूमे में आपको अपना व्यक्तिगत परिचय, नाम, संपर्क और पते की डिटेल्स देना होता है। फिर यह बताएं कि आप जॉब के लिए क्यों अप्लाई कर रहे हैं और इसके बाद क्वालिफिकेशन व एक्सपीरियंस के बारे में जानकारी दें। आखिर में आपको यह बताना होता है कि आपमें ऐसी क्या खासियत है, जिसके कारण आप उस जॉब के लिए अप्लाई कर रहे हैं। साथ ही आप रिज्यूमे में अपनी पॉजिटिव चीजें बताएं कि आप किस तरह से उस जॉब के लिए परफेक्ट हैं।

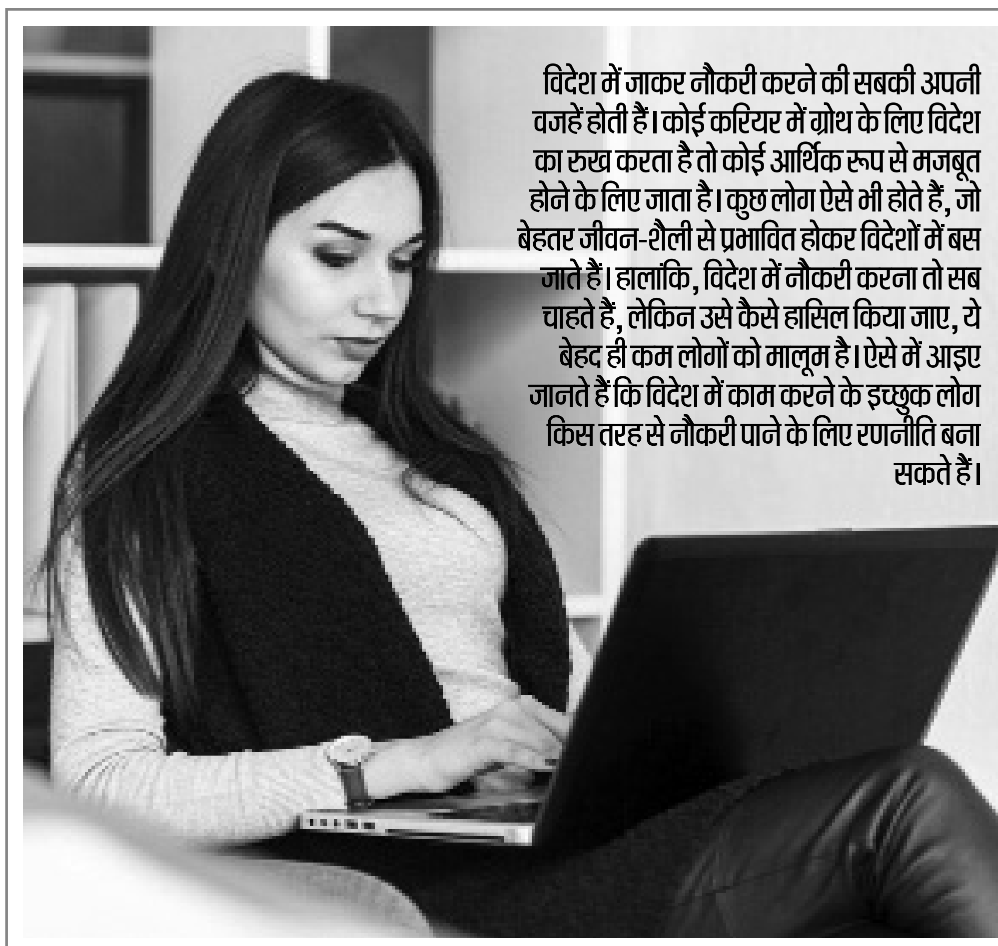

विदेश में करनी है नौकरी, पाना चाहते हैं मोटी सैलरी?

बस करने होंगे ये जरूरी काम

विदेश में जाकर नौकरी करने की सबकी अपनी वजहें होती हैं। कोई करियर में ग्रोथ के लिए विदेश का रुख करता है तो कोई आर्थिक रूप से मजबूत होने के लिए जाता है। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो बेहतर जीवन-शैली से प्रभावित होकर विदेशों में बस जाते हैं। हालांकि, विदेश में नौकरी करना तो सब चाहते हैं, लेकिन उसे कैसे हासिल किया जाए, ये बेहद ही कम लोगों को मालूम है। ऐसे में आइए जानते हैं कि विदेश में काम करने के इच्छुक लोग किस तरह से नौकरी पाने के लिए रणनीति बना सकते हैं।

भारतीयों के लिए विदेश में नौकरी करना फायदे का सौदा साबित हो सकता है। विदेशी मुद्रा के ज्यादा मूल्य होने की वजह से विदेश में काम करना आर्थिक रूप से काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। सिर्फ इतना ही नहीं, बल्कि लोगों को अलग–अलग संस्कृतियों को सीखने का मौका मिलता है और वे नेटवर्किंग भी कर पाते हैं। इसकी वजह से किसी भी शख्स को ग्लोबल जॉब मार्केट में नौकरी ढूंढने में फायदा मिलता है, जो अच्छे करियर की नींव रखने का भी काम करता है।

विदेश में नौकरी कैसे पाएं ?

सही देश का चुनाव- जो लोग विदेश में नौकरी करना चाहते हैं, उन्हें सबसे पहले सही देश का चुनाव करना होगा। काम करने के लिए देश चुनते समय वहां होने वाले खर्चे, जीवनशैली, सैलरी और संस्कृति के आधार पर फैसला लेना चाहिए। गलत देश का चुनाव आपकी जेब पर तो भारी पड़ेगा ही, साथ ही साथ आपको तनाव भी दे जाएगा।

नियम कायदे को समझना

जिस देश में काम करने की योजना बनाई जा रही है, उस देश के नियमों–कायदों को समझना जरूरी होता है। इसमें वीजा नीतियां और श्रम कानून शामिल हैं। कुछ कंपनियां नौकरी के साथ वीजा भी मुहैया करती हैं, जबकि कुछ ऐसा नहीं करतीं, इसलिए इस मुद्दे पर पहले से रिसर्च करना जरूरी है।

बेहतरीन रिज्यूम तैयार करना

उम्मीदवारों को अपना बायोडाटा इंटरनेशनल स्टैंडर्ड के अनुसार डिजाइन करना चाहिए। नौकरी पाने की संभावना बढ़ाने के लिए यह एप्लिकेशन ट्रैकिंग सिस्टम (एटीएस) के अनुकूल होना चाहिए। बायोडाटा में उन सर्टिफिकेट्स को भी शामिल किया जा सकता है, जिसे आपने हासिल किया है।

कनेक्शन बनाना

लिंक्डइन जैसे प्लेटफॉर्म पर कनेक्शन बनाने से नौकरियों के लिए रेफरल मिलना आसान हो जाता है। विदेश में नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अपने सेक्टर से जुड़े वर्कर्स के साथ नेटवर्क बनाना चाहिए, जो पहले से ही विदेश में काम कर रहे हैं।

हायरिंग एजेंसी

विदेश में नौकरी के लिए उन कंसल्टिंग एजेंसियों का भी सहारा लिया जा सकता है, जो लोगों की नौकरियां लगवाती हैं। हालांकि, इस दौरान सावधानी बरतना बेहद जरूरी होता है, क्योंकि कुछ एजेंसियां झूठे वायदे कर पैसे की ठगी कर लेती हैं।

कहां अप्लाई करें

प्रोफेशनल्स वर्कर्स को लिंक्डइन, मॉन्स्टर डॉट कॉट जैसे प्लेटफॉर्म पर वैकेंसी की डिटेल्स मिल जाती हैं। यहां से नौकरियों के लिए अप्लाई किया जा सकता है। हालांकि, सेमी–प्रोफेनल्स वर्कर्स हायरिंग एजेंसियों की मदद ले सकते हैं।

इन्फ्लुएंसर विवाद केस

कोर्ट ने क्रिकेटर पृथ्वी शॉ पर लगाया 100 रुपए जुर्माना

मुंबई, एजेंसी। डिंडोशी सेशंस कोर्ट ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सपना गिल के खिलाफ कथित मारपीट के मामले में जवाब देने में देरी के चलते भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ पर 100 रुपए का जुर्माना लगाया है। सपना गिल के वकील अली काशिफ खान का मानना है कि यह कोर्ट की ओर से दिया गया एक बड़ा संदेश है। वकील अली काशिफ खान ने कहा, हमने अपनी क्लाइंट के साथ हाथापाई को लेकर पृथ्वी शॉ और उनके ग्रुप के खिलाफ शिकायत की थी। जब पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की, तो हमने अंधेरी मजिस्ट्रेट कोर्ट में जाकर मांग की थी कि वह एफआईआर दर्ज करवाने के निर्देश दें, लेकिन कोर्ट ने पुलिस को सिर्फ पूछताछ का ऑर्डर दिया। ऐसे में हमने सेशंस कोर्ट डिंडोशी में ऑर्डर को चैलेंज किया। आज करीब एक साल का समय बीच चुका है, लेकिन इस मामले में पृथ्वी शॉ का कोई जवाब नहीं आया है। उन्होंने कहा, सेशंस कोर्ट डिंडोशी के जज ने पृथ्वी शॉ को कई बार जवाब दाखिल करने का आदेश दिया। इसके बाद से उनके वकील ने जवाब दाखिल करने के लिए तीन से ज्यादा डेट्स ले ली हैं। बुधवार को जब उनके वकील से जवाब दाखिल करने को कहा गया, तो उन्होंने फिर से वक्त मांगा, जिसे सुनते ही जज ने 100 रुपए जुर्माना भरने का आदेश दिया। यह 1 या 100 रुपए के जुर्माने की बात नहीं है। यह कोर्ट की ओर से दिया गया एक बड़ा संदेश है। कानून सभी के लिए बराबर है। अब पृथ्वी शॉ को जवाब दाखिल करने के लिए 16 दिसंबर की डेट दी गई है। अली काशिफ खान ने कहा, मेरा मानना है कि उनके वकील की ओर से वक्त बर्बाद किया जा रहा है। इस मामले को खींचा जा रहा है। हो सकता है कि शायद उनके पास कोई जवाब ही नहीं हो। हमारा आरोप है कि पुलिस उनके साथ मिली हुई है। बता दें कि फरवरी 2023 में अंधेरी के एक पब में सपना गिल और पृथ्वी शॉ के बीच सेल्फी को लेकर विवाद हुआ था।

मांजरेकर का सनसनीखेज बयान

भारत के महान बल्लेबाजों में फिट नहीं बैठते रोहित शर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि वनडे कप्तान रोहित शर्मा अपने टेस्ट रिकॉर्ड के कारण भारत के सर्वकालिक महान बल्लेबाजों की सूची में फिट नहीं बैठते। रोहित ने हाल ही में इंग्लैंड दौरे से पहले इस टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। रोहित ने 67 टेस्ट मैच खेलने के बाद संन्यास ले लिया और 40.57 के औसत से 12 शतकों और 18 अर्द्धशतकों सहित 4301 रन बनाए। दूरदर्शन के क्रिकेट शो पर मांजरेकर ने रोहित को लेकर सनसनीखेज बयान दिया। उन्होंने रोहित की सफेद गेंद के प्रारूप में निस्वार्थ नेतृत्व क्षमता और टीम के हित को निजी हित से ऊपर रखने के लिए प्रशंसा की। हालांकि, उन्होंने कहा कि रोहित की जगह सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों की सूची में नहीं बनती क्योंकि टेस्ट क्रिकेट को ज्यादा महत्व दिया जाता है। मांजरेकर ने दूरदर्शन पर प्रसारित ग्रेट इंडियन क्रिकेट शो में कहा, भारत के सर्वकालिक महान बल्लेबाजों की सूची में रोहित शर्मा शामिल नहीं हैं क्योंकि हम गावस्कर, तेंदुलकर, द्रविड़ और विराट जैसे दिग्गजों की बात कर रहे हैं। रोहित इस सूची में फिट नहीं बैठते, लेकिन अगर आप वनडे क्रिकेट, निस्वार्थता या कप्तानी को देखें, तो आपको रोहित शर्मा का जिक्र करना ही होगा। खासकर 2023 विश्व कप के बाद, लोगों का उनके प्रति प्यार एक अलग ही स्तर पर है।मांजरेकर ने कहा, लोगों ने देखा कि वह कभी अपने बारे में नहीं सोचते थे। वह टीम के फायदे के लिए अपने हितों का त्याग करने को तैयार रहते थे। यही उनकी असली खासियत है। सीमित ओवरों के क्रिकेट में उनका सहज दबदबा हमेशा से ही सुखद रहा है।

एशेज सीरीज की तैयारी में जुटे

कमिंस ने चोट से वापसी के लिए समयसीमा तय की

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट कप्तान पैट कमिंस इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज से पहले अपनी फिटनेस साबित करना चाहते हैं, उन्होंने बॉलिंग क्रीज पर वापसी के लिए समयसीमा तय की है। जुलाई में कैरेबियन दौरे में खेलने के बाद से पैट कमिंस कमर दर्द से जूझ रहे हैं। उनकी हालिया स्कैन रिपोर्ट में प्रभावित हिस्से में लंबर बोन स्ट्रेस की पुष्टि हुई है। कमिंस को आराम की जरूरत है, लेकिन दौड़ने या गेंदबाजी करने में कोई दिक्कत नहीं है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान जानते हैं कि उन्हें एशेज सीरीज से पहले अपनी फिटनेस साबित करनी होगी। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 21 नवंबर से होगी। कमिंस को उम्मीद है कि एशेज की शुरुआत से लगभग चार से छह हफ्ते पहले वह दोबारा गेंदबाजी शुरू कर पाएंगे। कमिंस ने बुधवार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के एक स्पॉन्सरशिप प्रोग्राम में कहा, मैं कम से कम एक महीने पहले, शायद छह हफ्ते पहले गेंदबाजी करना शुरू करना चाहूंगा, लेकिन मैंने इस पर अभी ज्यादा नहीं सोचा है। अभी भी इंतजार करना होगा और देखना होगा। हमारे पास पर्याप्त समय है, इसलिए जब चैंपियंस ट्रॉफी थोड़ी नजदीक होगी, तो वापसी का रोडमैप तय करेंगे। अगर पैट कमिंस को शुरुआती टेस्ट से बाहर होना पड़ा, तो ऐसे में तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड उनकी जगह ले सकते हैं। अनुभवी तिकड़ी मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन लायन का खेलना लगभग तय है। उन्होंने कहा, मैं फिलहाल अगले कुछ हफ्तों तक ज्यादा कड़ी ट्रेनिंग नहीं करूंगा। मुझे ज्यादा दौड़ना नहीं है और गेंदबाजी बिल्कुल नहीं करनी। 21-25 नवंबर के बीच पर्थ में एशेज सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाएगा। 4-8 दिसंबर के बीच ब्रिस्बेन में दूसरा मुकाबला आयोजित होगा। 17-21 दिसंबर के बीच दोनों टीमें एडिलेड में तीसरे टेस्ट के लिए भिड़ेंगी, जबकि 26-30 दिसंबर के बीच मेलबर्न में चौथा मुकाबला खेला जाएगा।

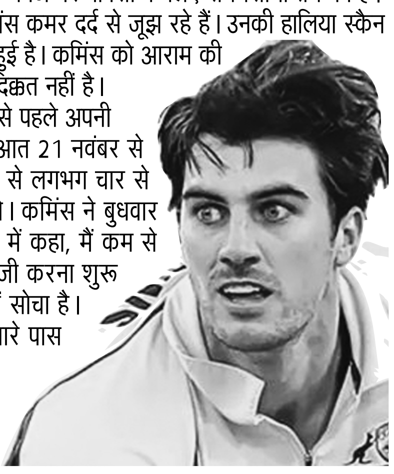

फीफा वर्ल्ड कप

बोलीविया ने ब्राजील को हराया, क्वालिफाइंग प्लेऑफ में प्रवेश किया

एल आल्टो (बोलीविया), एजेंसी। बोलीविया का लक्ष्य चौथी बार तथा 1994 के बाद पहली बार विश्व कप के लिए क्वालिफाई करना होगा। मिगुएल टेरसेरोस ने पहले हाफ में पेनल्टी पर गोल किया जिससे बोलीविया ने मंगलवार को विश्व का फुटबॉल के दक्षिण अमेरिकी क्वालिफाइंग में ब्राजील को 1-0 से हराकर प्लेऑफ में अपनी जगह सुरक्षित की। टेरसेरोस ने 45वें मिनट में गोल करके बोलिवियाई टीम को 2019 के बाद पहली बार घरेलू मैदान पर ब्राजील पर जीत दिलाई। प्लेऑफ टूर्नामेंट में छह देश शामिल होंगे और यह मार्च के अंतरराष्ट्रीय सत्र में खेला जाएगा, जिससे अगले वर्ष अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले विश्व कप के लिए अंतिम दो स्थानों का निर्धारण होगा। बोलीविया का लक्ष्य चौथी बार तथा 1994 के बाद पहली बार विश्व कप के लिए क्वालिफाई करना होगा। क्वालिफायर में तीसरे स्थान पर रहने वाली कोलंबियाई टीम ने स्ट्राइकर लुइस डियाज के शानदार प्रदर्शन की बदौलत वेनेजुएला को 6-3 से हराकर बोलीविया की टीम को प्लेऑफ में पहुंचाने में मदद की। डियाज ने चार गोल दागे। क्वालिफाइंग के एक अन्य मैच मे इक्वाडोर ने अर्जेंटीना को 1-0 से हरा दिया। अर्जेंटीना दक्षिण अमेरिकी क्वालिफाइंग में 38 अंक लेकर पहले, जबकि इक्वाडोर 29 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

गावस्कर ने ब्रोंको टेस्ट को कहा अनुचित, सभी के लिए एक ही मानक रखना लगभग असंभव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की पुरुष टीम में खिलाड़ियों के चयन के लिए ब्रोंको टेस्ट शुरू करने की योजना ने सभी का ध्यान खींचा है। यह एक ऐसा टेस्ट है जो एथलीटों को अपनी हृदय संबंधी क्षमता बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है। ब्रोंको टेस्ट क्रिकेट के लिए भले ही नया हो, लेकिन रग्बी में इसका इस्तेमाल लंबे समय से एक उच्च-तीव्रता वाली दौड़ के अभ्यास के रूप में किया जाता रहा है। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने इसके खिलाफअपने विचार साझा करते हुए कहा कि इस तरह के टेस्ट के आधार पर खिलाड़ियों का चयन करना काफी अनुचित है। गावस्कर ने अपने एक कॉलम में लिखा, हालांकि यह जानने के लिए कि किसी खिलाड़ी को अपने शरीर को कहां मजबूत करने की जरूरत है, ये टेस्ट करवाना ठीक है, लेकिन राष्टीय टीम में चयन का फैसला इनसे करवाना थोड़ा ज़्यादा है। हर व्यक्ति का शरीर अलग होता है, इसलिए टीम में सभी के लिए एक ही मानक रखना लगभग असंभव है। खिलाड़ी की विशेषता और उसके लिए दी जाने वाली छूट का ध्यान रखना जरूरी है। उदाहरण के लिए एक विकेटकीपर, जो पूरे दिन लगातार घूमता रहता है, उसे दूसरों की तुलना में अलग फिटनेस स्तर की आवश्यकता होती है।

वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप

निखत 5-0 से जीतकर क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली, एजेंसी। लिवरपूल में चल रही वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में दो बार की वर्ल्ड चैंपियन निखत जरीन ने मंगलवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं के 51 किग्रा वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल में जापान की युमा निशिनाका को 5-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। निखत के अलावा मीनाक्षी, जदुमणि और अभिनाश जामवाल भी क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया।

निखत का इस साल का पहला इवेंट 29 साल निखत के लिए यह इस साल का पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट है। पहले राउंड में जापानी खिलाड़ी ने कड़ा मुकाबला किया, लेकिन निखत ने अपनी लय बनाए रखी और जीत हासिल की। मैच के दौरान युमा ने निखत के रिदम को तोड़ने के लिए अत्यधिक क्लिंचिंग (गले लगाकर रुकने) की कोशिश की, जिसके कारण उन्हें दो पेनल्टी पॉइंट्स का नुकसान हुआ। निखत ने जापानी खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया और सर्वसम्मति से जीत हासिल की।

48चत्त में मीनाक्षी ने चीनी खिलाड़ी को हराया निखत के अलावा अन्य भारतीय बॉक्सरों ने भी क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। मीनाक्षी (48 किग्रा) ने चीन की वांग क्यूपिंग को 5-0 से हराया। जबकि जदुमणि (57 किग्रा) ने इंग्लैंड की रीडशॉ रीस को 5-0 से पराजित किया। वहीं, अभिनाश जामवाल (65 किग्रा) ने डोमिनिकन गणराज्य के पीटर यनोआ फर्नांडो डी जीसस को 5-0 से मात देकर अगले दौर में जगह पक्की की।

भारतीय पुरुष रिकर्व व्यक्तिगत वर्ग में पदक की दौड़ से बाहर

ग्वांगजू (दक्षिण कोरिया), एजेंसी। तीनों में सबसे अनुभवी ओलंपियन धीरज बोम्मादेवरा को सबसे कठिन ड्रॉ मिला, क्योंकि पहले दौर में उनका मुकाबला पूर्व ओलंपिक चैंपियन मेटे गाजोज से हुआ। भारतीय पुरुष रिकर्व तीरंदाजों का विश्व चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन बुधवार को भी जारी रहा और उसके सभी तीरंदाज व्यक्तिगत वर्ग के पदक चरण में जगह बनाने में असफल रहे।भारत के तीनों खिलाड़ियों में राहुल ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने तीसरे राउंड (अंतिम-32) में जगह बनाई, लेकिन शूट-ऑफ में जॉर्जिया के एलेक्जेंडर माचावरियानी से 5-6 (8-10) से हार गए। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने 5-3 की बढ़त बना ली थी, लेकिन अंतिम दो सेटों में वह लड़खड़ा गए, जिससे एक बार फिर रिकर्व वर्ग में दबाव में भारत की मानसिक कमजोरियां उजागर हो गईं। पहला सेट 28-28 से बराबर करने के बाद राहुल ने दूसरे सेट में 30-30 का शानदार स्कोर बनाया और तीसरे सेट में 28-27 से जीत हासिल कर 5-1 की बढ़त बना ली।

चौथे राउंड में उन्हें केवल ड्रॉ की आवश्यकता थी, लेकिन वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए जिससे उनके विरोधी खिलाड़ी को वापसी करने का मौका मिल गया। जॉर्जियाई खिलाड़ी ने पांचवां सेट 28-27 से जीतकर शूट-ऑफ कराया, जहां राहुल ने आठ अंक हासिल किए, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी का स्कोर परफेक्ट 10 था। तीनों में सबसे अनुभवी ओलंपियन धीरज बोम्मादेवरा को सबसे कठिन ड्रॉ मिला, क्योंकि पहले दौर में उनका मुकाबला पूर्व ओलंपिक चैंपियन मेटे गाजोज से हुआ। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी को पहला सेट 29-29 से बराबर करने के बाद 2-6 से हार का सामना करना पड़ा।

महिला क्रिकेट विश्व कप के लिए न्यूजीलैंड की टीम घोषित

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के लिए न्यूजीलैंड की टीम का ऐलान कर दिया गया है, जिसकी कमान सोफी डिवाइन के पास है। 22 वर्षीय ऑलराउंडर फ्लोरा डेवोनशायर को घरेलू स्तर पर प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद वनडे टीम में शामिल किया गया है। पिछले संस्करण की मेजबानी के बाद से न्यूजीलैंड टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है। इस बार न्यूजीलैंड ने अपने खेमे में छह ऐसी खिलाड़ियों को शामिल किया है, जो पहली बार वनडे वर्ल्ड कप में खेलती नजर आएंगी। इसके अलावा, चार खिलाड़ी ऐसी भी होंगी, जो अपने पहले सीनियर आईसीसी टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी।

सोफी डिवाइन अपना पांचवां वर्ल्ड कप खेलने जा रही हैं। उनकी साथी सूजी बेट्स भी अपने पांचवें वनडे विश्व कप में खेल रही हैं। अनुभवी तेज गेंदबाज ली ताहूहू को चौथे विश्व कप में खेलने का मौका मिला है, जबकि मैडी ग्रीन और मेली केर अपने तीसरे विश्व कप में भाग ले रही हैं। 30 सितंबर से महिला वर्ल्ड कप 2025 की शुरुआत होने जा रही है। टूर्नामेंट में न्यूजीलैंड का पहला मैच 1 अक्टूबर को इंदौर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा। इसके बाद न्यूजीलैंड 6 अक्टूबर को साउथ अफ्रीकी टीम से भिड़ेगी। 10 अक्टूबर को उसका सामना बांग्लादेश से होगा।

न्यूजीलैंड की टीम 14 अक्टूबर को श्रीलंका से भिड़ेगी, जिसके बाद 18 अक्टूबर को टीम का सामना पाकिस्तान से होगा। यह टीम 23 अक्टूबर को भारतीय टीम को चुनौती देगी, जबकि 26 अक्टूबर को न्यूजीलैंड का सामना इंग्लैंड से होगा।

न्यूजीलैंड के कोच बेन सॉयर ने टीम में चुने गए सभी खिलाड़ियों की प्रशंसा करते हुए कहा, मैं टीम के संतुलन से वास्तव में खुश हूं। मुझे लगता है कि परिस्थितियों और विरोधियों को मद्देनजर रखते हुए हमारे पास सही मिश्रण है, जिससे हम उन सभी चुनौतियों का मुकाबला कर सकते हैं, जिनका हम सामना करेंगे।

न्यूजीलैंड की टीमः सोफी डिवाइन (कप्तान), सूजी बेट्स, ईडन कार्सन, फ्लोरा डेवोनशायर, इजी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, ब्री इलिंग, पॉली इंग्लिस, बेला जेम्स, मेली केर, जेस केर, रोजमैरी मेयर, जॉर्जिया प्लिम्मर और ली ताहुहु।

अफगानिस्तान का विजयी आगाज, एशिया कप के पहले मैच में हॉन्ग कॉन्ग को धोया

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप के पहले मुकाबले में अफगानिस्तान ने हॉन्ग कॉन्ग को 94 रनों से करारी शिकस्त दी है. टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने उमरजई और अटल की शानदार फिफ्टी के दम पर 189 रनों का लक्ष्य हॉन्ग कॉन्ग के सामने रखा था. इसके जवाब में उतरी हॉन्ग कॉन्ग की टीम 94 रन ही बना सकी.

ऐसी रही हॉन्ग कॉन्ग की पारी

189 के जवाब में उतरी हॉन्ग कॉन्ग की शुरुआत बेहद खराब रही. पहले ही ओवर में फारुकी ने अंशुमान रथ का विकेट झटका. अंशुमान अपना खाता भी नहीं खोल सके. इसके बाद दूसरे ओवर में हॉन्ग कॉन्ग को एक और झटका लगा जब उमरजई ने जीशान अली का विकेट झटका. इसके बाद तीसरे ओवर में 13 के स्कोर पर भी हॉन्ग कॉन्ग को झटका लगा और निजाकत रन आउट हो गए. पांचवे ओवर में भी हॉन्ग कॉन्ग को झटका लगा. इसके बाद 10वें ओवर में भी हॉन्ग कॉन्ग को झटका लगा जब किंचित शाह 4 रन बनाकर आउट हो गए. इसके बाद अच्छी लय में दिख रहे बाबर हयात का भी विकेट गिर गया. इसके बाद हॉन्ग कॉन्ग की पारी और लड़खड़ा गई और टीम 20 ओवर खेलकर 9 विकेट गंवाने के बाद केवल 94 रन ही बना सकी. अफगानिस्तान ने 94 रनों से ये मैच जीत लिया.

ऐसी रही अफगानिस्तान की पारी

अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी. पारी का आगाज अटल और गुरबाज ने किया. लेकिन तीसरे ही ओवर में अफगानिस्तान को पहला झटका लगा जब गुरबाज 8 रन बनाकर आयुष शुक्ला का शिकार बन गए. इसके बाद चौथे ओवर में इब्राहिम जादरान भी 1 रन बनाकर आउट हो गए. लेकिन फिर नबी और अटल के बीच अच्छी साझेदारी हुई. टीम को तीसरा झटका 77 के स्कोर पर 11वें ओवर में लगा. नबी 33 रन बनाकर किंचित का शिकार बने. फिर नाइब का विकेट 13वें ओवर में गिरा. नाइब 5 रन बना सके. लेकिन अटल को साथ मिला अजमतुल्लाह उमरजई का जिन्होंने शानदार फिफ्टी लगाई. उमरजई ने 53 रन बनाए. दोनों की इस पारी के दम पर अफगानिस्तान ने 188 रन बनाए.

न्यूज डायरी

आगामी खरीफ सीजन खरीद को लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दिए निर्देश

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों की समीक्षा के लिए चंडीगढ़ स्थित सिविल सचिवालय में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी खरीफ फसल सीजन के दौरान किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए मंडियों और खरीद केंद्रों में सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रत्येक मंडी में एक निरीक्षक 24 घंटे ड्यूटी पर रहेगा और ड्यूटी में कोताही बरतने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री श्री राजेश नागर, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, प्रमुख सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग श्री डी. सुरेश, महानिदेशक खाद्य, महाप्रबंधक (क्षेत्र) भारतीय खाद्य निगम श्रीमती शरणदीप कौर बराड़, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के श्री अंशज सिंह, मुख्य प्रशासक हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड श्री मुकेश कुमार आहुजा, प्रबंध निदेशक हैफेड श्री मुकुल कुमार सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

किसानों को एमएसपी पर फसल खरीद की गारंटी

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने स्पष्ट किया कि किसानों की फसलें एमएसपी पर खरीदी जाएंगी। सरकार द्वारा एमएसपी दर पहले ही तय की जा चुकी हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों को किसानों की फसलें एमएसपी पर खरीदने के सख्त निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को एसएमएस द्वारा यह जानकारी उपलब्ध कराई जाए कि उनकी फसलें किस निर्धारित मंडी में खरीदी जाएंगी। उन्होंने अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि किसानों के मोबाइल पर गेट पास पहुंचे। स्कैनर की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाए ताकि किसान मोबाइल से गेट पास डाउनलोड कर सकें और उन्हें किसी परेशानी का सामना न करना पड़े।

सोयाबीन, काला तिल, उड़द और अरहर की फसलों को दें बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने सोयाबीन उत्पादन को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि सोयाबीन से पौष्टिक उत्पाद बनते हैं जो स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि काला तिल, उड़द, अरहर और सोयाबीन जैसी फसलों पर बोनस दिया जाएगा ।

खरीफ फसल की खरीद के लिए मंत्री राजेश नागर ने की बैठक

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री श्री राजेश नागर ने अधिकारियों के साथ बैठक कर आगामी खरीफ खरीद सीजन की तैयारियों के लिए दिशा निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि हरियाणा में आगामी कुछ दिनों में खरीफ खरीद सीजन आरंभ होगा। भारत सरकार द्वारा खरीफ खरीद सीजन 2025 - 26 के लिए निर्धारित किया गया न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रति क्विंटल के अनुसार तथा राज्य सरकार द्वारा खरीफ खरीद सीजन 2025 - 26 के दौरान फसलों की खरीद हेतु राज्य की मंडियों में तैयारियां चल रही हैं।

मंत्री श्री नागर ने आज मंडियों की तैयारियों, खरीद एजेंसियों के साथ विभाग अधिकारियों के समन्वय को लेकर दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी सभी अधिसूचित मंडियों का निरिक्षण फसल आने से पहले करें। इसके साथ ही मंडियों में सफाई, पीने के पानी, शौचालय, बिजली, लाइटिंग तथा बैठने की व्यवस्था का जायज़ा लें।

श्री नागर ने कहा कि ध्यान रखना चाहिए कि मंडियों में मज़दूर (हमाल, आढ़तियों) एवं टोलक मशीनों (इलेक्ट्रॉनिक कांटा) उपलब्ध हों। उन्होंने अधिकारियों को आदेश दिए कि फ़ूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया, हैफेड, हरियाणा वेयरहाउसिंग कारपोरेशन और खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की संयुक्त बैठक आयोजित करें और हर मंडी में तैयारियां की समीक्षा करें। इसके अलावा हर मंडी में एजेंसी की ड्यूटी एवं ज़िम्मेदारी तय कर सूचीबद्ध करें। उन्होंने धान में नमी संबंधित जानकारी किसानों को पहले से दिए जाने की बात कही। इसके साथ ही मंडियों में क्वालिटी टेस्टिंग काउंटर स्थापित किये जाने और सही तौल के लिए भी निर्देश दिए।

उन्होंने खरीदे गए धान को 72 घंटे में उठान कराने, 72 घंटे में डीबीटी ट्रांसफर करने सहित सभी जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक द्वारा मंडियों के औचक निरीक्षण करने एवं दैनिक रिपोर्ट मुख्यालय भेजने के लिए भी निर्देश दिए। बैठक में विभाग के प्रधान सचिव डी सुरेश, महानिदेशक अंशज सिंह, सभी जिलों के खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक और विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

पर्यावरण मंत्री ने अधिकारियों को स्वच्छ यमुना मिशन में तेजी लाने के दिए निर्देश

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के पर्यावरण एवं वन मंत्री राव नरबीर सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वच्छ यमुना बनाने के मिशन को धरातल पर लाने के लिए अधिकारी सभी आवश्यक तैयारी पूरी करें और जहां -जहां सीईटीपी या एसटीपी लगाने की जरूरत है, वहां निविदा प्रक्रिया पूरी कर काम आवंटित करें।

पर्यावरण मंत्री आज यहां यमुना नदी में प्रदूषण नियंत्रण के लिए संभावित बिंदुओं पर स्थिति की समीक्षा के लिए बुलाई गई हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

राव नरबीर सिंह ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि हरियाणा से दिल्ली की ओर यमुना नदी में जाने वाले स्वच्छ पानी की मात्रा 120 बीओडी बनी रहे। बैठक में जानकारी दी गई कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने यमुना नदी के कुछ बिंदुओं को संवेदनशील प्रदूषण की श्रेणी में रखा है। राष्ट्रीय हरित ट्रिब्यूनल के दिशा-निर्देशानुसार मुख्य सचिव मासिक बैठक की समीक्षा करते हैं और राष्ट्रीय स्तर पर इसकी समीक्षा त्रैमासिक स्तर पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा की जाती है।

बैठक में जानकारी दी गई कि औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले प्रदूषित जल को यमुना नदी में डालने से रोकने के लिए आठ स्थानों -फरीदाबाद और गुरुग्राम में तीन—तीन, सोनीपत और यमुनानगर में एक—एक स्थान पर नए सीईटीपी लगाने का प्रस्ताव है, ताकि प्रदूषित जल को ट्रीट किया जा सके और इसका पुनः उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। इन सीईटीपी की कुल क्षमता 146 एमएलडी होगी। इसके अलावा, 510 एमएलडी क्षमता के 9 एसटीपी का कार्य प्रगति पर है, जिनका दिसंबर, 2027 तक पूरा होना अपेक्षित है। अब तक यमुनानगर कैचमेंट में 143 एसटीपी और 18 सीईटीपी में ओएमडी डिवाइस लगाए गए हैं।

बैठक में जानकारी दी गई कि पिछले 2 वर्षों में 8287 औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण किया गया और प्रदूषण नियंत्रण संबंधी नियमों के उल्लंघन करने पर 828 औद्योगिक इकाइयों पर 198.2 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया।

विज का सुरजेवाला पर तंज: कांग्रेस नेताओं का पैर स्थाई तौर पर ब्रेक पर ही लगा, कांग्रेस तीन चुनावों में सत्ता से बाहर है

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने इनेलो नेता अभय चौटाला के आरोप कि भूपेंद्र हुड्डा ने ईडी के डर से भाजपा के साथ समझौता कर लिया है जिससे प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है, पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि किसने किसके साथ समझौता किया, किसको हराया, कौन किसके साथ था, अब इन बातों का कोई मतलब नहीं है क्योंकि दुनिया चमत्कार को नमस्कार करती है।

आज पत्रकारों से बातचीत करते हुए ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि भाजपा लगातार तीसरी बार हरियाणा में अपने दम पर जीती है। उन्होंने बताया कि मैनें पूरे चुनाव के दौरान एग्जिट पोल के विपरीत डंके की चोट पर कहा था कि इस बार भाजपा तीसरी बार बिना किसी सहयोग के अपनी सरकार बनाएगी। हमें इन बातों का आंकलन था क्योंकि सरकार के कामों की जनता में पूरी चर्चा थी।

विज ने बताया कि वे पिछली सरकार के कार्यकाल में अम्बाला में जनता कैंप लगाते थे और उसमें पांच से छह हजार लोग उम्मीदें लेकर स्वयं आते थे। हर सप्ताह यदि छह-छह हजार लोग आते थे तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि पांच साल में कितने लोग आए होंगे। उन्होंने कहा कि जनता कैंप में लोगों की समस्याओं को सुनने के बाद उन्हें संतुष्ट करके भेजते थे। इससे आंकलन लगाया जा सकता है कि लोग भारतीय जनता पार्टी को कितना चाहते हैं।

कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला के बयान कि मुख्यमंत्री ऐसे ड्राइवर हैं जिन्हें न स्टेयरिंग पकड़ना और न ही गियर लगाना आता है, के संबंध में पलटवार करते हुए परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि ''यह तो जांच का विषय है कि सुरजेवाला जी ने किसी मोटर ड्राइविंग स्कूल से ड्राइविंग टेस्ट पास किया है या नहीं, यह पता लगाना पड़ेगा कि इन्हें खुद भी चलाना आता है या नहीं''।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ''सूरजेवाला जी दूसरों की बात करते हैं, मगर पहले ये खुद भी तो देखे इन्होंने कांग्रेस का बंटाधार कर दिया। इनका पैर एक्सलेटर पर नहीं, स्थाई तौर पर ब्रेक पर लगा है। इसीलिए यह पिछले तीन चुनावों में सत्ता से बाहर हैं। हमें पता है कि हमने अब एक्सेलेटर, ब्रेक व कब क्लच दबाना है और यह हमारे मुख्यमंत्री जी को मालूम है। यही वजह है कि वह अच्छे ढंग से सरकार को चला रहे हैं''।

केंद्र सरकार हरियाणा को 10 हजार करोड़ रुपए का आर्थिक पैकेज देवे: बजरंग गर्ग

चंडीगढ़। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सीनियर प्रवक्ता बजरंग गर्ग ने कहा कि सरकार को हरियाणा को बाढ़ग्रस्त प्रदेश घोषित करना चाहिए। केंद्र सरकार को हरियाणा को 10 हजार करोड़ रुपए का आर्थिक पैकेज देना चाहिए।

गर्ग ने कहा कि हरियाणा में 16.83 लाख एकड़ जमीन से ज्यादा फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है। बाढ़ के कारण हरियाणा में कई लोगों की मौत हो चुकी है। सरकार ने बाढ़ व बारिश के कारण जो लोगों की मौत हुई है उनके परिवार को 4 लाख रुपए आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है जो बहुत थोड़ी है। सरकार को मृतक के परिवार को 4 लाख रुपए की बजाएं 25 लाख रुपए आर्थिक सहायता देनी चाहिए।

बजरंग गर्ग ने कहा कि खराब फसल का मुआवजा सरकार ने 7 हजार से 15 हजार तक प्रति एकड़ किया है जो सरासर गलत है। आज की खेती की जमीन ठेके पर 40 हजार रुपए से एक लाख रुपए तक मिलती है। उसको खेती करने के लिए खाद्य, बीज, दवाईयां का खर्च अलग होता है। सरकार को किसानों को प्रति एकड़ कम से कम 40 से 50 हजार रुपए मुआवजा राशि देनी चाहिए।

बजरंग गर्ग ने कहा की भारी बारिश व बाढ़ के कारण दुकान व मकानों की बिल्डिंग व सामान के नुकसान की भरपाई के लिए एक लाख से 3 लाख रुपए तक मुआवजा राशि देने की घोषणा करना बहुत कम है। सरकार को व्यापारी व उद्योगपतियों का जो नुकसान हुआ है उस नुकसान की भरपाई करनी चाहिए जबकि अंबाला कैंट के साथ-साथ प्रदेश में उद्योगों को कई हजार करोड़ का नुकसान हुआ है। सरकार को किसान व व्यापारियों के नुकसान की पूरी भरपाई करनी चाहिए।

केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने पलवल जिले में यमुना के जल प्रभावित गांवों का दौरा किया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री श्री कृष्णपाल गुर्जर ने बुधवार को पलवल जिला में यमुना के जल प्रभावित गांवों इंद्रानगर, मोहबलीपुर, अच्छेजा, काशीपुर और टिकरी गुर्जर का दौरा किया। इस दौरान वे इंद्रानगर में विशेष रूप से पहुंचे, जहां के ग्रामीणों की यमुना नदी में जलस्तर में वृद्धि के चलते अन्यत्र स्थान पर अस्थाई तौर पर ठहरने की व्यवस्था की गई थी।

केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री ने कहा कि भारी बारिश के कारण देश - प्रदेश में काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने बरसात से प्रभावित सभी परिवारों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी और प्रशासन पूरी तरह से सजग है। मुख्यमंत्री पूरी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान करते हुए कहा कि सरकार की तरफ से ई क्षतिपूत पोर्टल 15 सितंबर तक खोला गया है।

श्री गुर्जर ने अपने दौरे के दौरान गांव मुस्तफाबाद के राजकीय प्राथमिक विद्यालय में बनाए गए सेफ हाउस में जिला प्रशासन द्वारा ग्रामीणों को उपलब्ध करवाई जा रही व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें सेफ हाउस में भोजन, पेयजल और स्वास्थ्य संबंधी सभी सुविधाएं मुहैया करवाई जा रही है। उनके पशुओं के लिए भी प्रशासन ने ठहरने और चारे की समुचित व्यवस्था की गई है। साथ ही उन्हें जरूरी सहयोग जिला प्रशासन की तरफ से दिया जा रहा है।

उपायुक्त की अध्यक्षता में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण और नगर निगम की जमीन पर गांधी कॉलोनी के अतिक्रमण को हटाने को लेकर हुई अहम बैठक

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। माता मनसा देवी मंदिर परिसर के समीप हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण और नगर निगम की जमीन पर गांधी कॉलोनी के अतिक्रमण को हटाने को लेकर आज उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा की अध्यक्षता में लघु सचिवालय के सभागार में एक अहम बैठक आयोजित की गई।

बैठक मे जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ-साथ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद गुप्ता और जिलाध्यक्ष श्री अजय मित्तल भी मौजूद रहे।

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आयोजित श्री माता मनसा देवी श्राईन बोर्ड की बैठक में मंदिर परिसर की सुंदरता और भव्यता बनाये रखने के लिए मंदिर परिसर को पूर्ण रूप से अतिक्रमण मुक्त करने के निर्देश दिए है। इसी क्रम में गांधी कॉलोनी के अतिक्रमण को हटाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इस संबंध में आवश्यक कार्रवाही अमल में लाई जाए। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि इस दौरान किसी को भी असुविधा का सामना ना करना पडे।

बैठक में उपायुक्त ने आगामी 22 सितंबर से आरंभ हो रहे अश्विन नवरात्रे मेले की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि माता मनसा देवी मंदिर लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। उन्होंने निर्देश दिए कि मंदिर में नवरात्रों से पूर्व सभी आवश्यक प्रबंध पूर्ण कर लिए जाएं ताकि श्रद्धालु एक व्यवस्थित तरीके से माता के दर्शन कर सके। उन्होंने मंदिर परिसर में विशेष अभियान चलाकर संपूर्ण सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए ताकि श्रद्धालुओं को एक स्वच्छ और पवित्र वातावरण का अनुभव हो।

बैठक मे अतिरिक्त उपायुक्त श्रीमती निशा यादव, एसडीएम श्री चंद्रकांत कटारिया, नगर निगम के संयुक्त आयुक्त श्री गौरव चैहान, चीफ सेनेटरी इंस्पेक्टर श्री अविनाश सिंगला, एचएसवीपी के कार्यकारी अभियंता श्री एनके पायल, तसीलदार श्री सुरेश कुमार, नायब तहसीलदार श्री हरदेव सिंह, मंडलाध्यक्ष श्री प्रमोद वत्स, श्री युवराज कौशिक, श्री गौतम राणा सहित प्रशासन के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ट्राई ने रेवाड़ी शहर (हरियाणा) में मोबाइल नेटवर्क की गुणवत्ता का परीक्षण किया

हिन्द जनपथ
रेवाड़ी: भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने सामान्य दूरसंचार उपभोक्ताओं की जानकारी के लिए जुलाई-अगस्त 2025 के दौरान रेवाड़ी शहर (हरियाणा एलएसए में) में आयोजित इंडिपेंडेंट ड्राइव टेस्ट (आईडीटी) के परिणाम जारी किए हैं। इस ड्राइव टेस्ट का उद्देश्य, दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) की मोबाइल नेटवर्क सेवाओं (वॉयस और डेटा दोनों) की वास्तविक गुणवत्ता का आकलन और सत्यापन करना है। आईडीटी के दौरान, ट्राई प्रमुख निष्पादन संकेतकों (केपीआई) जैसे कॉल सेटअप सफलता दर, डेटा डाउनलोड और अपलोड गति, आवाज की गुणवत्ता से जुड़े डेटा एकत्र करता है। इन्हें बाद में उपभोक्ताओं को सूचित करने और टीएसपी को अपनी सेवाओं में सुधार के लिए प्रोत्साहित करने हेतु प्रकाशित किया जाता है।

ट्राई ने अपनी नियुक्त एजेंसी के माध्यम से, हरियाणा में 31-07-2025 से 02-08-2025 तक रेवाड़ी में 250.7 किलोमीटर की शहरी ड्राईव परीक्षण, 8 हॉटस्पॉट स्थानों और 1.1 किलोमीटर पैदल परीक्षण किए। ये परीक्षण जयपुर स्थित ट्राई क्षेत्रीय कार्यालय की देखरेख में किए गए।

रेवाडी शहर में आयोजित ड्राइव टेस्ट में रेवाडी शहर के सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों को कवर किया गया जिसमें आसपास के क्षेत्र लाखनौर, गोकलघर, सहारनवास, कनमाजारा, बावल, उत्तम नगर, भारावास, शाबाजपुर, जलालपुर, जलियावास, बनीपुर और हरचंदपुर आदि शामिल हैं।

इस प्रकार के ड्राइव परीक्षण में, सभी टीएसपी से 2जी, 3जी, 4जी और 5जी नेटवर्क पर सिम कार्ड का उपयोग करके विभिन्न उपयोग वातावरणों में लाइव डेटा और वॉयस सत्र स्थापित किए जाते हैं, जैसे वाणिज्यिक क्षेत्र, हॉटस्पॉट, सार्वजनिक परिवहन केंद्र आदि। कई उन्नत परीक्षण हैंडसेट का उपयोग किया जाता है और उन्नत सॉफ्टवेयर सिस्टम का उपयोग करके वास्तविक समय में सत्रों की निगरानी और विश्लेषण किया जाता है। इस आईडीटी रिपोर्ट के परिणामों को संबंधित दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) के साथ साझा किया गया है ताकि आवश्यकता पड़ने पर वे अपने नेटवर्क में सुधार हेतु आगे की कार्रवाई कर सकें। आईडीटी की विस्तृत रिपोर्ट ट्राई की वेबसाइट www.trai.gov.in पर उपलब्ध है। किसी भी स्पष्टीकरण या अतिरिक्त जानकारी के लिए adv.jaipur@trai.gov.in पर ईमेल भेजा जा सकता है या जयपुर स्थित ट्राई क्षेत्रीय कार्यालय से टेलीफोन नंबर पर संपर्क किया जा सकता है।

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने ली मेयर परिषद की बैठक

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल ने आज मेयर परिषद की एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक आयोजित होने वाले सेवा पखवाड़े की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में स्वच्छता अभियान और शहरी विकास कार्यों पर विशेष जोर दिया गया, ताकि प्रदेश के सभी नगर निगम स्वच्छ, सुंदर और सुविधायुक्त बन सकें।

बैठक में मंत्री श्री गोयल ने निर्देश दिए कि सेवा पखवाड़े के दौरान सभी नगर निगमों में स्वच्छता अभियान को व्यापक स्तर पर चलाया जाए। उन्होंने सभी मेयरों को अपने-अपने क्षेत्रों में स्वच्छता के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने का आह्वान किया। इस दौरान स्वच्छता से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम, कचरा प्रबंधन, और सार्वजनिक स्थानों की सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मंत्री ने बताया कि इस साल के अंत तक सभी नगर निगमों में स्वच्छता सर्वेक्षण आयोजित किया जाएगा, जिसके तहत निगमों की स्वच्छता और बुनियादी ढांचे के प्रदर्शन का मूल्यांकन होगा। उन्होंने मेयरों से अपील की कि वे इस सर्वेक्षण को गंभीरता से लें और अपने क्षेत्रों को राष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छता रैंकिंग में अग्रणी बनाने के लिए ठोस कदम उठाएं। बैठक में श्री विपुल गोयल ने सभी मेयरों से उनके नगर निगमों में चल रहे विकास कार्यों का विस्तृत ब्यौरा लिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनप्रतिनिधियों को मूलभूत सुविधाओं जैसे पेयजल, सड़क, स्ट्रीट लाइट और सीवरेज व्यवस्था पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को आम जनमानस की जरूरतों और अपेक्षाओं के अनुरूप पूरा किया जाए, ताकि नागरिकों को बेहतर जीवन स्तर मिल सके।

मनीमाजरा से माता संतोषी माता मंदिर मार्ग की बदहाल हालत, महंत रमेश्वर गिरी ने प्रशासन से सड़क सुधार की लगाई गुहार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मनीमाजरा से माता संतोषी माता मंदिर होते हुए मां मनसा देवी मार्ग तक जाने वाली सड़क की स्थिति लंबे समय से खराब बनी हुई है। इस मार्ग पर नगर निगम चंडीगढ़ की ओर से न तो नई कारपेटिंग की गई है और न ही इसे कंक्रीट रोड में तब्दील किया गया है। परिणामस्वरूप, इस रास्ते पर रोजाना आने-जाने वाले लोगों और श्रद्धालुओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

श्रद्धालुओं के अनुसार, सड़क जगह-जगह से टूटी हुई है और बरसात के दिनों में गड्ढों में पानी भर जाने से स्थिति और भी दयनीय हो जाती है। चूँकि यह मार्ग सीधे माता संतोषी माता मंदिर और आगे मनसा देवी जाने वाले मुख्य मार्ग से जुड़ा हुआ है, इसलिए इस पर रोजाना बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय लोग आवागमन करते हैं।

माता संतोषी मंदिर के महंत रमेश्वर गिरी ने इस स्थिति पर चिंता जाहिर करते हुए प्रशासन से अपील की है कि आगामी नवरात्रों को देखते हुए इस मार्ग की तत्काल मरम्मत की जाए। उन्होंने कहा कि नवरात्रों के दौरान हजारों की संख्या में श्रद्धालु मंदिर दर्शन के लिए पहुँचते हैं और खराब सड़क उनके लिए बड़ी बाधा बन सकती है। ऐसे में या तो इस मार्ग की नवीन कारपेटिंग की जाए या फिर इसे कंक्रीट रोड के रूप में विकसित किया जाए, ताकि श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के माता के दर्शन कर सकें।

महंत गिरी ने कहा कि धार्मिक स्थलों की ओर जाने वाले मार्गों को दुरुस्त रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है। त्योहारों के समय इन रास्तों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए ताकि भक्तों की आस्था में किसी तरह की बाधा न आए।

स्थानीय निवासियों का भी कहना है कि कई बार शिकायतें दर्ज कराने के बावजूद इस मार्ग पर अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है। लोगों का आरोप है कि नगर निगम द्वारा विकास कार्यों में इस सड़क को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है।

लोगों ने उम्मीद जताई है कि प्रशासन और नगर निगम इस मामले का संज्ञान लेकर जल्द से जल्द सड़क को ठीक करेंगे। नवरात्रों से पहले यदि सड़क का कार्य पूरा हो जाता है तो श्रद्धालुओं और आम लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।